



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 270]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 18, 2009/श्रावण 27, 1931

No. 270]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 18, 2009/SRAVANA 27, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(माइनरोई एवं संबद्ध शुल्क महाविभाग)

अभिसूचना

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 2009

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. और यूरोपीय संघ के मूल के या वहां से निर्यातित "कुछेक फॉस्फोरस आधारित रासायनिक यौगिकों" के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच।

सं. 14/3/2009-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम (जिसे आगे पाटनरोधी नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :—

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत चीन जन. गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित पीओसीएल3, पीसीएल5, टीएमवी तथा टीपीपीआई (जिन्हें आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) और चीन जन. गण. तथा यूरोपीय संघ (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित पीओसीएल3 (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) नामक "कुछेक फॉस्फोरस आधारित रासायनिक यौगिकों" के पाटन का आरोप लगाते हुए, घरेलू उद्योग की ओर से लघु एवं मध्यम रसायन विनिर्माता एसोसिएशन (एस्मेकैम), मुम्बई से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ।
- (ii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित चीन के दूतावास/यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल कार्यालय को सूचित किया;
- (iii) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि लगाया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, पाटनरोधी नियमावली के उप-नियम 6 (1) के अनुसार

के लिए पर्याप्त होगी, पाटनरोधी नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 13 फरवरी, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था ।

- iv. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार भारत में चीन के दूतावास/यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल कार्यालय, संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को 13 फरवरी, 2009 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिन के भीतर अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया ।
- v. कुछेक हितबद्ध पार्टियों से प्रश्नावली का उत्तर दायर करने के लिए समय विस्तार का अनुरोध किया गया था । प्राधिकारी ने समय की कमी को ध्यान में रखते हुए समय विस्तार प्रदान किया ।
- vi. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों तथा भारत स्थित चीन के दूतावास/यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल कार्यालय को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की एक प्रति उपलब्ध कराई ।
- vii. नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरूआत के बारे में भारत स्थित चीन के दूतावास/यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि मंडल कार्यालय को इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश/क्षेत्र के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी ज्ञात निर्यातकों के नाम और पतों सहित उनके पास भेजी गई थी ।
- viii. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्रश्नावलियां भेजीं ।

चीन जन.गण. में उत्पादक/निर्यातक

क्र.सं.	कंपनी का नाम
1.	जियांगशू चांगयू कैमिकल कं. लि.
2.	जियांगशू चांगयू कैमिकल कं. लि.
3.	चांगझोऊ कुइकियाओ वेइजिंग कैमिकल कं. लि.

4.	चीन हाओहुआ केमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन
5.	जियांगशु जियानपिंग इंटरनेशनल ग्रुप कं. लि.
6.	झूझोऊ जियानपिंग केमिकल कं. लि.
7.	शंघाई हुआई ग्रुप हुआयुआन केमिकल इंडस्ट्री कं. लि.
8.	शानडोंग डार्चेंग केमिकल ग्रुप

यूरोपीय संघ में उत्पादक/निर्यातक

क्र.सं.	कंपनी का नाम
1.	थेरमफोस इंटरनेशनल बी.वी.
2.	थेरमफोस द्यूत्सलैंड जीएमबीएच
3.	बाइमाइ प्लस लेबोरेट्रीज
4.	एग्रो-केमी केएफटी
5.	पीसीसी रोकित्ता एस.ए.
6.	चिमकॉम्पलेक्स एस.ए. ब्रोजेत्सी
7.	फेनरेक क्यूईमिका एस.ए.
8.	पेट्राबन केमिकल स्पेशियलिटीज लि.

ix. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने उत्तर दिया है:

क्र. सं.	कंपनी का नाम	देश	स्थिति	उत्पाद
1.	मै. झूझोऊ जियानपिंग केमिकल कं. लि - "जियानपिंग"	चीन जन. गण.	उत्पादक	पीसीएल3, पीसीएल 5, पीओसीएल3
2.	मै. सेनकेईतांग केमिकल इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं., लि. एचबी- "सेनकेईतांग"	चीन जन. गण.	उत्पादक	टीएमपी
3.	मै. लुओही हुआईपू केमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री "हुआईपू"	चीन जन. गण.	उत्पादक	टीएमपी
4.	मै. चीन हाओहुआ केमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन, "हाओहुआ"	चीन जन. गण.	निर्यातक	पीसीएल3, पीसीएल 5, पीओसीएल3, टीएमपी
5.	मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन "सिनोकैम"	चीन जन. गण.	निर्यातक	पीसीएल3, पीसीएल 5, पीओसीएल3, टीएमपी

- x. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं ।

क्र.सं.	कंपनी का नाम	उत्पाद
1.	डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज लि., नई दिल्ली	पीसीएल3
2.	रेनकल कैमिकल्स (आई) लि., वाशी	
3.	सीक्वेट साइंटिफिक लिमिटेड, न्यू मंगलोर	
4.	रूपा इंडस्ट्रीज लिमिटेड., हैदराबाद	
5.	पेनम लेबोरेट्रीज लिमिटेड, नई दिल्ली	
6.	डॉ. रेड्डी लेबोरेट्रीज, हैदराबाद	पीसीएल 5
7.	यूनीमार्क रेमेडीज लि., मुंबई	पीसीएल 5, टीएमपी, टीपीपीआई
8.	हेटेरो ड्रग्स लि., हैदराबाद	पीसीएल5
9.	वर्धमान कैम. टेक. लि.	पीसीएल5
10.	केएलजे ऑर्गेनिक्स लि., नई दिल्ली	पीओसीएल3
11.	मेगाफाइन फार्मा (प्रा.) लि., मुंबई	
12.	बिलाग इंडस्ट्रीज लि., वापी	
13.	हिन्दुस्तान इनसेक्टीसाइड्स, नई दिल्ली	टीएमपी
14.	इनसेक्टीसाइड्स इंडिया लि., नई दिल्ली	
15.	धानुका लेबोरेट्रीज लि., गुडगांव	टीपीपीआई

- xi. उपर्युक्त के उत्तर में निम्नलिखित ने उत्तर दिया है:

मै. रूपा इंडस्ट्रीज लि., हैदराबाद ने उनके द्वारा संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराते हुए आयातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है ।

- xii. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप उपलब्ध किया और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षणार्थ खुला रखा;
- xiii. इस बात की जांच करने के लिए कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत निकाली गई थी ।
- xiv. यह जांच 1 अक्टूबर, 2007 से 31 दिसंबर, 2008 तक की अवधि के लिए की गई थी । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2005-

मार्च, 2006, अप्रैल, 2006-मार्च, 2007, अप्रैल 2007-मार्च, 2008 की अवधि और नौवें अवधि शामिल थी।

- XV. *** यह कि यह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने पाटनशील नियमों के अंतर्गत उसे गोपनीय ही माना है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान घरेलू वस्तु

3. विचाराधीन उत्पाद "कुछ फॉस्फोरस आधारित रासायनिक यौगिक" हैं, अर्थात्:-

- (1) फॉस्फोरस ट्राइक्लोराइड (पीसीएल3)
- (2) फॉस्फोरस पेंटाक्लोराइड (पीसीएल5)
- (3) फॉस्फोरस ऑक्सीक्लोराइड (पीओसीएल3)
- (4) ट्राइफिनाइल फॉस्फाइड (टीपीपीआई)
- (5) ट्राइमिथाइल फॉस्फाइड (टीएमपी)

3.1 आवेदक ने यह उल्लेख किया है कि इन उत्पादों के नाम समानार्थी हैं जिनका उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:-

उत्पाद का नाम	उत्पादों के समानार्थी नाम
फॉस्फोरस ट्राइक्लोराइड (पीसीएल3)	फॉस्फोरस(III) क्लोराइड, फॉस्फोरस क्लोराइड
फॉस्फोरस ऑक्सीक्लोराइड (पीओसीएल3)	फॉस्फोरिल क्लोराइड
फॉस्फोरस पेंटाक्लोराइड (पीसीएल5)	फॉस्फोरस (V) क्लोराइड
ट्राइफिनाइल फॉस्फाइड (टीपीपीआई)	फॉस्फोरस एसिड ट्राइफिनाइल ईस्टर, टीपीपी
ट्राइमिथाइल फॉस्फाइड (टीएमपी)	फॉस्फोरस एसिड ट्राइमिथाइल ईस्टर, फॉस्फोनिक एसिड ट्राइमिथाइल ईस्टर, मिथाइल फॉस्फाइड

3.2 पीसीएल5, पीओसीएल3 तथा पीसीएल3 अध्याय 28 के अंतर्गत वर्गीकरणीय अकार्बनिक रसायन हैं जबकि टीएमपी एवं टीपीपीआई अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकरणीय कार्बनिक रसायन हैं। प्रत्येक संबद्ध वस्तु का सीमाशुल्क वर्गीकरण निम्नानुसार है:

संबद्ध उत्पाद	सीमाशुल्क वर्गीकरण
पीसीएल3	28121021
पीसीएल5	28121022
पीओसीएल ₃	28121030
टीएमपी	29209041
अन्य (टीपीपीआई)	29209099

- 3.3 तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है। विचाराधीन उत्पाद का व्यापक रूप से उपयोग विभिन्न कीटनाशकों, जीवाणुनाशकों और मेषजों के उत्पादन में किया जाता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 3.4 समान वस्तुओं के बारे में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार उपबंध है: -

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;

- 3.5 जहां तक भारतीय बाजार में निर्यातकों द्वारा बेचे गए उत्पादों और घरेलू उद्योगों द्वारा बेचे गए उत्पादों के बीच संभावित अंतर का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातकों ने इस संबंध में कोई खंडन नहीं किया है कि दोनों उत्पादों में कोई अंतर है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में आयातित संबद्ध वस्तु से तुलनीय है। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं द्वारा दोनों का उपयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है। किसी भी विरोधी हितबद्ध पार्टी ने इस संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया है।

- 3.6 इस प्रकार, प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी नियमों के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद विचाराधीन संबद्ध वस्तु की समान वस्तुएं हैं।

ग. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार

4. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग की परिभाषा निम्नानुसार है:

(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।

4.1 यह आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से लघु एवं मध्यम रसायन विनिर्माता एसोसिएशन (एस्मेकेम), मुंबई द्वारा दायर किया गया है। मै. यूनाइटेड फॉस्फोरस लि. ने क्षति संबंधी सूचना उपलब्ध कराई है जबकि मै. पंजाब कैमिकल्स एंड क्रॉप प्रोटेक्शन लि., मै. संध्या इंडस्ट्रियल कैमिकल्स, मै. संध्या डाईज एंड कैमिकल, मै. एस.एम. कैमिकल्स, मै. एक्सएल इंड लि., मै. केमीनोवा इंडिया लि. तथा मै. फार्माकैमिकल्स इंडस्ट्रीज ने याचिका का समर्थन किया है। किसी भी विरोधी हितबद्ध पार्टी ने इस संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया है।

4.2 प्राधिकारी नोट करते हैं कि (क) मै. यूनाइटेड फॉस्फोरस लि. द्वारा प्रत्येक संबद्ध वस्तु का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है। (ख) समर्थकों के उत्पादन के साथ मै. यूनाइटेड फॉस्फोरस लि. द्वारा प्रत्येक संबद्ध वस्तु का उत्पादन भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है। (ग) कि यह आवेदन पाटनरोधी नियमों के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से दायर किया गया है। इस प्रकार, मै. यूनाइटेड फॉस्फोरस लि. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर प्रत्येक विचारणीय उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग है।

ड. समान मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य

5. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के ज्ञात निर्यातकों को निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से सूचना उपलब्ध कराने की सलाह देते हुए उनके पास प्रश्नावलियां भेजी। चीन जन.गण. के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं:

क्र.सं	नाम
1.	मै. जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि.
2.	मै. लुओही हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री
3.	मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन
4.	मै. सेनकेईवांग इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं., लि. एचबी

5.	मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन
----	----------------------------------

चीन के निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा किए गए अनुरोध

मै. जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि.

5.1 यह उल्लेख किया गया है कि मै. जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि. (जियानपिंग) संबद्ध उत्पाद का उत्पादक एवं घरेलू विक्रेता है लेकिन वह निर्यातक नहीं है। मै. जियानपिंग द्वारा चीन की दो व्यापार कंपनियों अर्थात् चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन ("हाओहुआ") तथा सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन ("सिनोकैम") को संबद्ध उत्पाद बिक्री की जाती है। तत्पश्चात् हाओहुआ और सिनोकैम द्वारा भारत को उत्पादों की पुनः बिक्री (निर्यात) की जाती है। मै. जियानपिंग उत्पादक एवं आपूर्तिकर्ता है जबकि मै. हाओहुआ एवं मै. सिनोकैम निर्यातक हैं। वे एक-दूसरे से संबद्ध नहीं हैं। मै. हाओहुआ एवं मै. सिनोकैम के साथ मै. जियानपिंग ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है। मै. जियानपिंग द्वारा केवल पीसीएल3, पीसीएल5, पीओसीएल3 का उत्पादन किया जाता है और वह टीपीपीआई तथा टीपीएम का उत्पादन नहीं करता है। अतः उत्तर केवल पीसीएल3, पीसीएल5 और पीओसीएल3 से संबंधित है।

5.1.1 यह उल्लेख किया गया है कि निर्यात के देश में विचाराधीन उत्पादों और भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पादों के बीच कोई अंतर नहीं है। समस्त सामग्री और संगत निविष्टियों की खरीद राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों सहित अनेक आपूर्तिकर्ताओं से स्थानीय तौर पर की जाती है।

मै. लूओहे हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री

5.2 यह बताया गया है कि मै. लूओहे हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री (हुईपू) संबद्ध वस्तु का उत्पादक और घरेलू विक्रेता है किन्तु वह निर्यातक नहीं है। मै. हुईपू द्वारा चीन की एक व्यापार कंपनी अर्थात् मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सिनोकैम) को संबद्ध उत्पाद की बिक्री की जाती है। तत्पश्चात् सिनोकैम भारत को उत्पादों की पुनः बिक्री (निर्यात) करता है। मै. हुईपू उत्पादक तथा आपूर्तिकर्ता है जबकि मै. सिनोकैम निर्यातक है। दोनों संबद्ध नहीं हैं।

5.2.1 मै. हुईपू केवल टीएमपी का उत्पादन करता है और घरेलू बाजार में टीएमपी की बिक्री करता है तथा भारत को टीएमपी की बिक्री सिनोकैम के जरिए की जाती है। इसलिए उत्तर केवल टीएमपी से संबंधित है। यह बताया गया है कि निर्यात के देश में विचाराधीन उत्पाद तथा भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है।

5.2.2 टीएमपी के उत्पादन हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियों की खरीद राज्य के स्वामित्व वाले एक दिवालिया उद्यम येनचेंग कैमिकल फैक्ट्री से वर्ष 2004 में शेयरधारक द्वारा की गई थी

। परिसंपत्तियों की खरीद के दौरान कोई परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट नहीं दी गई थी। कंपनी अनेक आपूर्तिकर्ताओं से प्रमुख कच्ची सामग्री प्राप्त करती है। समस्त सामग्री और संगत निविष्टियों की खरीद राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों सहित अनेक आपूर्तिकर्ताओं से स्थानीय तौर पर की जाती है।

मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन

5.3 यह उल्लेख किया गया है कि मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन संबद्ध उत्पाद का निर्यातक/व्यापारी है परंतु वह संबद्ध उत्पाद का उत्पादक नहीं है। मै. झुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कंपनी लि. (जियानपिंग) तथा लोओडे, हुईपू, कैमिकल इंडस्ट्री फैक्ट्री (हुईपू) मै. सिनोकैम के आपूर्तिकर्ता हैं।

5.3.1 जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित समस्त पीसीएल3, पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 की आपूर्ति मै. जियानपिंग द्वारा की गई थी। जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित समस्त टीएमपी की आपूर्ति मै. हुईपू ने की थी। मै. जियानपिंग तथा मै. हुईपू ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है। मै. जियानपिंग, मै. हुईपू तथा मै. सिनोकैम संबद्ध नहीं हैं। तथापि, सिनोकैम ने जांच अवधि के दौरान भारत को केवल पीसीएल3, पीसीएल5, पीओसीएल3 तथा टीएमपी का निर्यात किया था। अतः इस प्रश्नावली के उत्तर में संबद्ध उत्पादों का उल्लेख पीसीएल3, पीसीएल5, पीओसीएल3 तथा टीएमपी के रूप में है।

5.3.2 यह उल्लेख किया गया है कि मै. जियानपिंग तथा मै. हुईपू द्वारा भारतीय बाजार में बेची गई संबद्ध वस्तु मै. सिनोकैम द्वारा भारत को निर्यातित वस्तु की भौतिक/रासायनिक/तकनीकी विशेषताओं के रूप में समान है। मै. सिनोकैम, मै. सिनोकैम कार्पोरेशन की सहायक कंपनी है जो चीन जनगण. की राज्य परिषद के राज्य स्वामित्व की परिसंपत्ति पर्यवेक्षण एवं प्रशासन आयोग के 100% स्वामित्व में है।

मै. सेनकेईतांग कैमिकल इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं., लि., एचबी

5.4 यह उल्लेख किया गया है कि मै. सेनकेईतांग संबद्ध उत्पाद का उत्पादक एवं घरेलू विक्रेता है परंतु वह संबद्ध वस्तु का निर्यातक नहीं है। सेनकेईतांग द्वारा चीन की एक व्यापारिक कंपनी अर्थात् चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन ("हाओहुआ") को संबद्ध उत्पाद की बिक्री की जाती है। तत्पश्चात् हाओहुआ भारत या अन्य देशों को उत्पादों की पुनः बिक्री (निर्यात) करता है। इस प्रकार सेनकेईतांग उत्पादक और हाओहुआ निर्यातक है। दोनों संबद्ध नहीं हैं। सेनकेईतांग एवं हाओहुआ, दोनों ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है। सेनकेईतांग हाओहुआ के जरिए भारत को केवल टीएमपी की बिक्री करता है इसलिए प्रश्नावली के उत्तर में केवल टीएमपी का उल्लेख है।

- 5.4.1 यह उल्लेख किया गया है कि निर्यात के देश में विचाराधीन उत्पादों और भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पादों के बीच कोई अंतर नहीं है। टीएमपी के उत्पादन हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियों की खरीद राज्य के स्वामित्व वाले एक दिवालिया उद्यम जिगझाऊ एडीटिव फैक्ट्री से वर्ष 2004 में शेयरधारक द्वारा की गई थी। परिसंपत्तियों की खरीद के दौरान कोई परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट नहीं दी गई थी। कंपनी अनेक आपूर्तिकर्ताओं से प्रमुख कच्ची सामग्री प्राप्त करती है। समस्त सामग्री और संगत निविष्टियों की खरीद राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों सहित अनेक आपूर्तिकर्ताओं से स्थानीय तौर पर की जाती है।

मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन

- 5.5 यह उल्लेख किया गया है कि मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन (जिसे आगे "हाओहुआ" या "कंपनी" कहा गया है।) संबद्ध उत्पाद का निर्यातक/व्यापारी है परंतु वह संबद्ध उत्पाद का उत्पादक नहीं है। मै. जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कंपनी लि. (जियानपिंग) तथा सेंनकेईतांग कैमिकल इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लि. एचबी (सेनकेईतांग) मै. हाओहुआ के आपूर्तिकर्ता हैं। जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित समस्त पीसीएल 3, पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 की आपूर्ति मै. जियानपिंग ने की थी। जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित समस्त टीएमपी की आपूर्ति मै. सेंनकेईतांग ने की थी। से एक-दूसरे से संबद्ध नहीं हैं।

- 5.5.1 मै. हाओहुआ ने जांच अवधि के दौरान भारत को केवल पीसीएल3, पीसीएल5, पीओसीएल3 तथा टीएमपी का निर्यात किया था, इसलिए उत्तर केवल पीसीएल 3, पीसीएल5 पीओसीएल3 तथा टीएमपी से संबंधित हैं। यह उल्लेख किया गया है कि निर्यात के देश में विचाराधीन उत्पादों और भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पादों के बीच कोई अंतर नहीं है।

- 5.5.2 मै. हाओहुआ चीन नेशनल कैमिकल कार्पोरेशन के 100% स्वामित्व में है जो राज्य की स्वामित्व वाली एक कंपनी है।

घरेलू उद्योग के विचार

- 6 घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ यह उल्लेख करते हुए तर्क दिया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए :

- बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता जब प्रमुख शेयरधारकों में से एक शेयरधारक राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित सत्ता हो - घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यूरोपीय आयोग ने लगातार यह माना है कि उन मामलों में राज्य के हस्तक्षेप से इन्कार नहीं किया जा सकता जिनमें राज्य के स्वामित्व

बाली/नियंत्रित सत्ता का पर्याप्त शेयर हो। यह तर्क दिया गया है कि यह प्रश्न केवल पिछले हस्तक्षेपों से संबंधित नहीं है अपितु पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद भविष्य में राज्य के हस्तक्षेप की संभावना से भी संबंधित है जो बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के लिए संगत है।

- बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक चीन के प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतों में पर्याप्ततः बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि "बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन" का व्यापक अर्थ निरूपण किया गया है ताकि यह अर्थ निकाला जा सके कि इन निविष्टियों की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमतों से तुलनीय है। घरेलू उद्योग का तर्क है कि यह तथ्य नितांत अपर्याप्त है कि वस्तुतः ऐसी कीमतें चीन जन.गण. में प्रचलित कीमतों से तुलनीय हैं।
- प्रनिविष्टियों में उपयोगिताएं शामिल हैं: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध उत्पादों के उत्पादन के लिए उपयोगिता की प्रमुख मद के रूप में विद्युत एवं ईंधन अपेक्षित होता है। जाहिर तौर पर जब विद्युत आपूर्तिकर्ता राज्य की स्वामित्व वाली सत्ता होती है, वहां ईंधन आपूर्तिकर्ता के संबंध में अपर्याप्त सूचना उपलब्ध होती है। निर्यातकों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि उपयोगिताओं की कीमत में उचित बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं।
- बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि चुनकी बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप होती है: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के निर्यातकों ने ऐसी अनेक स्थितियों में बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार को अस्वीकृत करने के लिए यूरोपीय आयोग के व्यवहार का बार-बार खंडन किया है जिनमें चीन के निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ रहे हैं कि उनकी बहियां चीनी जीएएपी के अनुरूप हैं। ऐसे मामलों में चीन की कंपनियों द्वारा यह तर्क दिया जा रहा है कि अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुपालन पर जोर देने की जरूरत कानूनसम्मत नहीं है। यूरोपीय आयोग ने यह माना है कि अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुपालन पर जोर देने की जरूरत इसलिए होती है ताकि वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित राजस्व एवं व्यय, परिसंपत्तियों एवं देनदारियों की यथातथ्यता और पर्याप्तता सुनिश्चित की जा सके। यूरोपीय आयोग के अनुसार खातों की विश्वसनीयता इस संबंध में तब तक प्रमाणित नहीं की जा सकती जब तक कि बहियां अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप न हों।
- मापदंडों में से एक भी मापदंड को पूरा नहीं करने की स्थिति में बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यूरोपीय आयोग लगातार इस बात पर जोर दे रहा है कि बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक

प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक नियमों में निर्धारित प्रत्येक मापदंड के संबंध में जांच पर खरे नहीं उतरते ।

- **सिद्ध करने का भार/दायित्व:** घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि यह सिद्ध करना प्राधिकारी का दायित्व नहीं है कि प्रतिवादी कंपनियां वस्तुतः बाजार अर्थव्यवस्था के वातावरण में प्रचालन कर रही हैं और वे बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की पात्र हैं । इसके विपरीत यह सिद्ध करना चीन के प्रतिवादी निर्यातकों का दायित्व है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहे हैं ।
- **रूपांतरण:** घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि ऐसी किसी स्थिति में जिसमें वर्तमान शेयरधारकों ने उत्पादन हेतु स्वयं सुविधाएं स्थापित नहीं की हैं परंतु उन्हें किसी अन्य पार्टी से प्राप्त किया है, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि दस्तावेजी साक्ष्य के जरिए रूपांतरण की प्रक्रिया पूर्णतः सिद्ध नहीं हो जाती ।
- घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा ऊपर उल्लिखित अनेक शर्तों को पूरा करने में विफल रहना यह मानने के लिए पर्याप्त है कि चीन की प्रतिवादी कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता और इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए ।

प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

6.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत तथा डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस अनुमान के खंडन के अधीन है ।

6.2 पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध । के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं । चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- (क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित

फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

(ग) इस प्रकार की फर्मों दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन व्याज की दर पर किया जाता है ।

6.3 प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरुआत संबंधी सूचना के बाद बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर सहित प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खंडन की मांग की है । प्रतिवादी उत्पादकों तथा निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तरों तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की निम्नानुसार जांच की गई है ताकि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जा सके :

6.4 प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी किसी स्थिति में जिसमें कोई कंपनी राज्य के स्वामित्व वाली/नियंत्रित सत्ता है, राज्य के हस्तक्षेप की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता जिसके लिए मौके पर सत्यापन सहित आगे और जांच अपेक्षित होती है । इसके अलावा, चीन के प्रतिवादी उत्पादकों ने ऐसा कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है जिससे यह सिद्ध हो सके कि मूलभूत निविष्टियों की कीमत में खासकर राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों से खरीदी गई कुछेक निविष्टियों के संदर्भ में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है । उत्पादकों ने कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं के नामों का उल्लेख किया है और उनकी विधिक स्थिति को अभिज्ञात किया है जिनमें से कुछ राज्य के स्वामित्व में हैं । प्रतिवादियों ने इस बात को सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है कि निविष्टियों की खरीद प्रचालित अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर की गई है । इसके अलावा, यह भी देखा गया है कि कुछेक मामलों में उत्पादकों के उत्पादन हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियां राज्य के स्वामित्व वाले दीवालिया उद्यमों से खरीदी गई थीं । इसके अलावा भी मौके पर सत्यापन सहित आगे जांच की जरूरत है ।

6.5 इस प्रकार प्राधिकारी मौके पर सत्यापन सहित आगे और जांच होने तक चीन के निर्यातकों को इस चरण पर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने में असमर्थ हैं ।

6.6 यह भी नोट किया जाता है कि चीन के उपर्युक्त निर्यातकों के अलावा, किसी अन्य सत्ता ने प्रश्नावली का कोई उत्तर नहीं दिया है ।

6.7 उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए स्वामित्व एवं नियंत्रण, उद्यम की लागत एवं कीमत तथा उसके व्यापारिक निर्णयों और उसके प्रभाव आदि एवं उसके सत्यापन के बारे में उपर्युक्त मुद्दों की जांच होने तक प्राधिकारी का यह मत है कि चीन जन.गण. के उत्पादकों-निर्यातकों के सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण हेतु उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता ।

6.8 इस प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. को एनएमई मानते हुए प्राधिकारी ने उन उत्पादों के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया है जो निर्यातित उत्पादों के समान उत्पाद हैं। निर्यातकों द्वारा अपने घरेलू बाजार में बेचे गए उत्पादों और भारत को उनके द्वारा निर्यातित उत्पादों के बीच किसी अंतर का दावा नहीं किया गया है ।

सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

7.1 जैसा कि ऊपर नोट किया गया है कि संबद्ध देश के प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के निर्धारण के पर्याप्त मुद्दे हैं, जिनके लिए आगे और जांच तथा सत्यापन अपेक्षित है । अतः चीन जन.गण. के प्रतिवादी निर्यातकों तथा उत्पादकों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दावों एवं अलग-अलग व्यवहार के दावों की आगे और जांच तथा सत्यापन होने तक प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य का अनंतिम अनुमान लगाया है ।

7.2 इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंधित है कि:

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

7.3 प्राधिकारी ने जांच शुरुआत संबंधी सूचना में यह उल्लेख किया था कि आवेदक ने यह दावा किया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए और इसलिए चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के

पैरा 7 और 8 के अनुसार किया जाना चाहिए। आवेदक ने अनुरोध किया है कि चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु भारत को एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश माना जा सकता है जिसके लिए यह तर्क दिया गया है कि उनके पास बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं है। इस दावे का किसी अन्य हितबद्ध पार्टी ने खंडन नहीं किया है।

7.3.1 जांच अवधि के भीतर यलो फॉस्फोरस जो संबद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु एक प्रमुख कच्ची सामग्री है, की कीमत में आए पर्याप्त परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए निर्यात के समय यलो फॉस्फोरस की कीमत पर मासिक आधार पर विचार किया गया है। तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण प्रमुख कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, प्रतिवादी निर्यातकों के खपत संबंधी मानदंडों, घरेलू उद्योग के अनुसार विधिवत समायोजित परिवर्तन लागतों के आधार पर किया गया है ताकि उसमें टीपीपीआई जिसमें भी घरेलू उद्योग के खपत संबंधी मापदंडों को अपनाया गया है, के मामले को छोड़कर बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा उचित लाभ मार्जिन शामिल किया जा सके क्योंकि चीन जन.गण. के किसी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावलियों का उत्तर नहीं दिया है।

7.4 प्राधिकारी ने नोट किया है कि भारत को बचे गए विचाराधीन उत्पाद तथा उनके घरेलू बाजार में बेची गई समान वस्तुओं के बारे में किसी उत्पादक/निर्यातक ने किसी प्रकार के अंतर का दावा नहीं किया गया है। इस मुद्दे पर आगे और जांच होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने पोटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के दूसरे परंतुक के अनुसार उपलब्ध उचित आधार पर चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य के अंतिम निर्धारण की कार्यवाही की है। तदनुसार विचाराधीन उत्पादों के कारखाना सामान्य मूल्य का अंतिम निर्धारण विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है। चूंकि निर्यातकों ने भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद तथा घरेलू उद्योग द्वारा बेची गई वस्तु की विशेषताओं में किसी अंतर की पुष्टि नहीं की है, इसलिए सामान्य मूल्य का परिकलन प्रमुख निविष्टियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, प्रतिवादी निर्यातकों के खपत संबंधी मानकों, विधिवत समायोजित घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत तथा एसजीए व्यय एवं पीसीएल 3, पीसीएल 5, पीओसीएल 3 तथा टीएमपी हेतु 5% के उचित लाभ मार्जिन को ध्यान में रखते हुए किया गया है। जहां तक पीपीपीआई का संबंध है, चीन जन.गण. के किसी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। इसलिए सामान्य मूल्य का परिकलन प्रमुख निविष्टि की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, खपत मानदंडों, विधिवत समायोजित घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत एवं एसजीए व्यय और 5% के उचित लाभ मार्जिन को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

यूरोपीय संघ के उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य

8.1. मै. थर्मफोस इंटरनेशनल बी.वी., नीदरलैंड ने अधिसूचना का उत्तर दिया है और उन्होंने अन्य बातों के साथ-साथ यह उल्लेख किया है कि यूरोप पर पीओसीएल 3 के

पाटन का आरोप लगाने के लिए मूलभूत आधार गायब हैं। उन्होंने तर्क दिया है कि यूरोप से मात्रा नगण्य रही है और उनके द्वारा विचाराधीन उत्पाद का पाटन नहीं किया जा रहा है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 8.2 प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. थर्मफोस इंटरनेशनल बी.वी. ने न तो प्रश्नावली का उत्तर दिया है और न ही अपने उत्तर में उनके द्वारा किए गए किसी भी दावे की पुष्टि की है। रिकॉर्ड में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सीमाओं से अधिक है। प्राधिकारी जांच की कार्रवाई के दौरान इस मुद्दे की निश्चित तौर पर आगे जांच करेंगे कि क्या इस संबंध में प्रतिवादी द्वारा इसके विपरीत साक्ष्य प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
- 8.3 यूरोपीय संघ के संबंध में, ई.यू. में बिक्री कीमत पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु गौर किया गया था। आवेदक द्वारा ई यू में बिक्री कीमत का दावा उस कीमत के आधार पर किया गया था, जिस कीमत पर ई यू में किसी आयातक/उपभोक्ता ने उत्पाद का आयात किया है। विकल्पतः ई यू में सामान्य मूल्य का निर्धारण विधिवत समायोजित उत्पादन लागत के अनुमानों पर विचार करते हुए भी किया गया है ताकि उसमें बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा उचित लाभ मार्जिन शामिल किया जा सके। तथापि, सामान्य मूल्य का परवर्ती निर्धारण ई यू में बिक्री के आधार पर निर्धारित मूल्य से कम बनता है और इसे ई यू के मामले में पीओसीएल³ हेतु अपनाया गया है।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

- 8.4 चूंकि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने का निर्णय लिया है।

निर्यात कीमत

सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत

9. प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातकों के अनुरोधों के अनुसार प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद के लिए निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु निर्यातकों द्वारा किए गए समस्त निर्यातों पर विचार किया है।

मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन (हाओहुआ) (निर्यातक) के जरिए मै जूझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि.(उत्पादक)

9.1 मै. "जियानपिंग" चीन में पीसीएल3, पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 का एक उत्पादक है। मै. जियानपिंग द्वारा भारत को पीसीएल3, पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 का सीधे निर्यात नहीं किया जाता है और संबद्ध उत्पाद की बिक्री चीन की असंबद्ध व्यापारिक कंपनियों, जिनमें से एक चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कारपोरेशन ("हाओहुआ") है, को की जाती है और तत्पश्चात मै. हाओहुआ द्वारा भारत को उत्पादों का निर्यात किया जाता है।

9.1.1 प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावलियों के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। निर्यात कीमत की अनुमति प्रतिवादी निर्यातक के दावे के अनुसार प्रदान की गई है जो आगे और जांच तथा मौके पर सत्यापन के अधीन है।

9.1.2 निर्यातित प्रत्येक संबद्ध वस्तु के लिए भारत हेतु अलग भारत औसत निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ निर्यातक के दावे के अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, बैंक प्रभारों वेट एवं ऋण प्रभारों के लिए समायोजन किए गए हैं। इसके अलावा व्यापारी के लिए निर्धारित मार्जिन पर कारखाना निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु विचार किया गया है जो आगे और जांच तथा मौके पर सत्यापन के अधीन है।

मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सिनोकैम) (निर्यातक) के जरिए मै. जियानपिंग कैमिकल कं. लि. (उत्पादक)

9.2 मै. "जियानपिंग" चीन में पीसीएल3, पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 का एक उत्पादक है। मै. जियानपिंग द्वारा भारत को पीसीएल3, पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 का सीधे निर्यात नहीं किया जाता है और संबद्ध उत्पाद की बिक्री चीन की असंबद्ध व्यापारिक कंपनियों, जिनमें से एक मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन ("सिनोकैम") है, को की जाती है। तत्पश्चात मै. सिनोकैम द्वारा भारत को उत्पादों का निर्यात किया जाता है।

9.2.1 प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावलियों के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। निर्यात कीमत की अनुमति प्रतिवादी निर्यातक के दावे के अनुसार प्रदान की गई है जो आगे और जांच तथा मौके पर सत्यापन के अधीन है।

9.2.3 निर्यातित प्रत्येक संबद्ध वस्तु के लिए भारत हेतु अलग भारत औसत निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ निर्यातक के दावे के अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, बैंक प्रभारों वेट एवं ऋण प्रभारों के लिए समायोजन किए गए हैं। इसके अलावा व्यापारी के लिए निर्धारित मार्जिन पर कारखाना निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु विचार किया गया है जो आगे और जांच तथा मौके पर सत्यापन के अधीन है।

मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (निर्यातक) के जरिए मै. लुओहे हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री (उत्पादक)

9.3 मै. लुओहे हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री (हुईपू) टीएमपी का चीन में एक उत्पादक है। मै. हुईपू ने भारत को टीएमपी का सीधे तौर पर निर्यात नहीं किया है तथा उसने संबद्ध उत्पाद

की बिक्री चीन की एक असंबद्ध व्यापारिक कंपनी मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सिनोकैम) को की है। तत्पश्चात् मै. सिनोकैम ने भारत को उत्पाद का निर्यात किया।

9.3.1 प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावलियों के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। निर्यात कीमत की अनुमति प्रतिवादी निर्यातक के दावे के अनुसार प्रदान की गई है जो आगे और जांच तथा मौके पर सत्यापन के अधीन है।

9.3.2 निर्यातित प्रत्येक संबद्ध वस्तु के लिए भारत हेतु अलग भारत औसत निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ निर्यातक के दावे के अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, बैंक प्रभारों वेट एवं ऋण प्रभारों के लिए समायोजन किए गए हैं। इसके अलावा व्यापारी के लिए निर्धारित मार्जिन पर कारखाना निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु विचार किया गया है जो आगे और जांच तथा मौके पर सत्यापन के अधीन है।

मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन, (निर्यातक) के जरिए मै. सेनकेइतांग इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं. लि. (उत्पादक)

9.4 मै. सेनकेइतांग इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं. लि., टीएमपी का चीन में एक उत्पादक है। मै. सेनकेइतांग ने भारत को टीएमपी का सीधे तौर पर निर्यात नहीं किया है तथा उसने संबद्ध उत्पाद की बिक्री चीन की एक असंबद्ध व्यापारिक कंपनी मै. मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन, (निर्यातक), को की है। तत्पश्चात् मै. हाओहुआ ने भारत को उत्पाद का निर्यात किया।

9.4.1 प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावलियों के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। निर्यात कीमत की अनुमति प्रतिवादी निर्यातक के दावे के अनुसार प्रदान की गई है जो आगे और जांच तथा मौके पर सत्यापन के अधीन है।

9.4.2 निर्यातित प्रत्येक संबद्ध वस्तु के लिए भारत हेतु अलग भारत औसत निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ निर्यातक के दावे के अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, बैंक प्रभारों वेट एवं ऋण प्रभारों के लिए समायोजन किए गए हैं। इसके अलावा व्यापारी के लिए निर्धारित मार्जिन पर कारखाना निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु विचार किया गया है जो आगे और जांच तथा मौके पर सत्यापन के अधीन है।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण

9.5 चूंकि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने का निर्णय लिया है। आंकड़ों का

मिलान आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना तथा सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार किया गया है।

पाटन मार्जिन:

10. जांचाधीन प्रत्येक उत्पाद के लिए उपर्युक्तानुसार अलग-अलग निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

चीन जन.गण. के उत्पादक/निर्यातक	देश	उत्पादक	पाटन मार्जिन अम. डॉ. कि. ग्रा. प्रति	पाटन मार्जिन %
मै. चीन हाओहुआ केमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन (हाओहुआ) (निर्यातक) के जरिए मै जुझोऊ जियानपिंग केमिकल कं. लि.(उत्पादक)	चीन जन.गण.	पीसीएल3	***	40 - 50%
		पीसीएल5	***	90-100%
		पीओसीएल3	***	75-85%
मै. सिनोकेम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सिनोकेम) (निर्यातक) के जरिए मै जुझोऊ जियानपिंग केमिकल कं. लि.(उत्पादक)	चीन जन.गण.	पीसीएल3	***	70-80%
		पीसीएल5	***	115-125%
		पीओसीएल3	***	110-120%
मै. सिनोकेम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (निर्यातक) के जरिए मै. लुओहै हुईपू केमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री (उत्पादक)	चीन जन.गण.	टीएमपी	***	40-50%
मै. चीन हाओहुआ केमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन, (निर्यातक) के जरिए मै. सेनकेइतांग इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं. लि. (उत्पादक)	चीन जन.गण.	टीएमपी	***	45-55%
उपरोक्त तालिका में विनिर्दिष्ट उत्पादकों/निर्यातकों को छोड़कर सभी अन्य उत्पादक/निर्यातक	चीन जन.गण.	पीसीएल3	***	70-80%
		पीसीएल5	***	115-125%
		पीओसीएल3	***	110-120%
		टीएमपी	***	45-55%
समस्त उत्पादक/निर्यातक	चीन जन.गण.	टीपीपीआई	***	20-30%
समस्त उत्पादक/निर्यातक	यूरोपीय संघ	पीओसीएल3	***	ऋणात्मक

च. क्षति

हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोध

11. मै. रूपा इंडस्ट्रीज लि., हैदराबाद ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार उल्लेख किया है कि:

- अप्रैल 2008 के बाद जिन दो कंपनियों से वे अपनी जरूरतों की पूर्ति कर रहे थे, उन दोनों कंपनियों ने फॉस्फोरस की आयात कीमत में तेजी से हुई वृद्धि का कारण बताते हुए फॉस्फोरस ट्राइ क्लोराइड की कीमत में माह-दर-माह वृद्धि कर दी थी। फॉस्फोरस ट्राइ क्लोराइड की कीमत बढ़कर 217 रुपए प्रति किग्रा. तक पहुंच गई जिसका उनके कार्यकलाप की व्यवहार्यता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इसके अलावा, आपूर्तिकर्ता उनकी अपेक्षाओं/कार्यक्रमों के प्रति वचनबद्ध नहीं रहे थे।
- इसके अलावा, आपूर्तिकर्ता स्वयं उनके अन्य यौगिकों के लिए फॉस्फोरस ट्राइ क्लोराइड के आबद्ध खपतकर्ता भी नहीं थे और स्पष्ट तौर पर उन्होंने अपने व्यापार कार्यकलाप के हित में मूल्यवर्धन पर विचार किया है। अपने खुद के फॉस्फोरस ट्राइक्लोराइड के आबद्ध खपतकर्ता होने के कारण उन्हें तुलनात्मक लाभ मिला है।
- उन्हें पिछले कुछ महीनों से अपना उत्पादन अत्यधिक कम करने के लिए बाध्य किया गया था और फॉस्फोरस ट्राइ क्लोराइड की कीमत में तेजी से वृद्धि जारी रहने की अवधि के दौरान कुछ माह तक कार्यकलाप बंद भी कर दिया था जिसकी वजह यह थी कि यह उक्त निविष्टि की लागत पर व्यवहार्य नहीं था और आयात कीमत की तुलना में वे अपने ग्राहकों को तैयार उत्पाद की पेशकश नहीं कर सकते थे। ट्राइफिनाइल फोस्फाइन के विनिर्माण की व्यवहार्यता प्रभावित हुई थी।

पीओसीएल3 के मामले में संचयी निर्धारण

12. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (iii) में यह उपबंध है कि जब एक से अधिक देश से हुए किसी उत्पाद के आयात की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का निर्धारण अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करे कि :-

- (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% से अधिक है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3% से कम है वहां आयातों का संचयी हिस्सा समान वस्तु के आयातों के 7% से अधिक है, और

(ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

12.1 आवेदक ने दावा किया है कि:

- i पीओसीएल3 के अलग-अलग कई ग्रेड नहीं होते हैं । संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद में तुलनीय गुणधर्म होते हैं । दूसरे शब्दों में विभिन्न संबद्ध देशों तथा घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त वस्तु आपस में समान वस्तुएं हैं ।
- ii ऐसी सीमित पार्टियां हैं जो इस सामग्री का उपयोग करती हैं । ग्राहकों के एक ही खंड द्वारा आयातित तथा घरेलू सामग्री का अदल-बदल कर उपयोग किया जा रहा है ।
- iii संबद्ध देशों के निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने समान ग्राहकों को समान अवधि में समान उत्पाद की बिक्री की है ।
- iv प्रत्येक संबद्ध देश से हुए आयातों का बाजार हिस्सा न्यूनतम सीमा से अधिक है ।
- v घरेलू उत्पादक तथा संबद्ध देश के निर्यातक समान ग्राहकों को उत्पाद की बिक्री करते हैं और दोनों ही समान बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं । दोनों का उपयोग ग्राहक अदल-बदल कर रहे हैं ।

12.2 यह नोट किया गया है कि किसी भी हितबद्ध पार्टी ने उपर्युक्त दावों का खंडन नहीं किया है । प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि:

- (क) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन निर्धारित सीमाओं से अधिक है;
- (ख) प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा निर्धारित सीमाओं से अधिक है;
- (ग) आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से हुए निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तु से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं ।

12.3 उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी का मत यह है कि आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है और इसलिए उन्होंने संबद्ध देशों से पीओसीएल3 के संबंध में घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी निर्धारण किया है ।

12.4 नियमों के अनुबंध II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और ;

(ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

12.5 जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है :

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

12.6 प्राधिकारी ने तथ्यों एवं हितबद्ध पार्टियों के तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति मापदंडों की तथ्यपरक जांच की है जो निम्नानुसार है :

आयात मात्रा

आवेदक ने आईबीआईएस आंकड़ों के आधार पर आयात से संबंधित निम्नलिखित आंकड़े उपलब्ध कराए हैं :

क्र.सं.	उत्पाद	जांच अवधि (अक्टू.07 से दिसं.08)
		मात्रा (मी.ट.)
1	पीसीएल 3	57.00
2	पीसलएल 5	1722.00
3	पीओसीएल 3 (चीन जन.गण.)	900.00
	पीओसीएल3 (ईयू)	394.5
4	टीपीपीआई	64.00
5	टीएमपी	368.00

तथापि, प्रतिवादी निर्यातकों से प्राप्त उत्तरों के अनुसार उनके द्वारा भारत को किया गया संबद्ध वस्तु का वास्तविक निर्यात निम्नानुसार रहा है। तथापि, चूंकि टीपीपीआई के मामले में संबद्ध देशों के किसी निर्यातक/उत्पादक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए आईबीआईएस से

आवेदक की ओर से प्राप्त आंकड़ों पर इस प्रारम्भिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ मरोसा किया जा रहा है :

क्र.सं.	उत्पादक	आयातित संबद्ध वस्तु की मात्रा मी.ट.
1	पीसीएल 3	93.00
2	पीसलएल 5	1899.00
3	पीओसीएल3	960.00
4	टीपीपीआई	64.00
5	टीएमपी	352.00

अतः संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का विश्लेषण करने के लिए रिकॉर्ड में उपलब्ध आंकड़ों का मिलान कर उन पर विचार किया गया है जो निम्नानुसार है :

आयात मी.ट. में	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (अक्टू.07 - दिसं.08)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
पीसीएल 3	0	0	0	93	74.4
पीसलएल 5	32	0.42	123	1899	1519.2
पीओसीएल3 (चीन जन.गण.)	0	0	0	960	768
पीओसीएल3(ईयू)	0	0	0	395	316
टीएमपी	32	32	0	368	294.4
टीपीपीआई	80	32	48	64	51.2

इस प्रकार, संबद्ध वस्तु के आयात के बारे में रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि :

पीसीएल5 तथा टीएमपी के मामले में जांच अवधि के दौरान आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है । यह देखा गया है कि क्षति अवधि में पीसीएल5 तथा टीएमपी के आयातों में समग्र वृद्धि हुई है । समूची क्षति अवधि के दौरान टीपीपीआई का आयात हुआ है और उसमें आधार वर्ष की तुलना में कमी आई है, परंतु तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है । पीसीएल3 तथा पीओसीएल3 के मामले में आयात जांच अवधि के दौरान ही शुरू हुए हैं ।

यह देखा गया है कि चीन को छोड़कर किसी अन्य देश से पीसीएल3, टीपीपीआई एवं टीएमपी का कोई आयात नहीं हुआ है । यद्यपि, ई यू (जर्मनी एवं नीदरलैंड) से हुआ पीओसीएल3 का आयात भी न्यूनतम सीमा से अधिक है । आवेदक ने यह दावा किया है कि हांगकांग से पीओसीएल3 तथा पीसीएल5 का आयात चीन जन.गण. से यानांतरित हुआ है क्योंकि संबद्ध

वस्तु के लिए हांगकांग में कोई विनिर्माण सुविधा नहीं है। अन्य स्रोतों से पीसीएल5 का आयात न्यूनतम सीमा से कम रहा है।

मांग तथा बाजार हिस्सा

पीसीएल3

मांग	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (अक्टू. 07 - दिसं. 08)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन से कुल आयात मी.ट. में	0	0	0	93	74.40
अन्य आयात	0	0	0	0	0
बिक्री-घरेलू उद्योग मी.ट. में (आबद्ध सहित)	18,506	17,879	18,866	23431	18,744.80
बिक्री-अन्य उत्पादक, मी.ट. में	1,829	2,101	2,471	2,579	2,063.20
कुल मांग मी.ट. में	20,335	19,980	21,337	26,103	20,882.40
मांग में बाजार हिस्सा % में					
घरेलू उद्योग	91.01	89.48	88.42	89.76	89.76
अन्य भारतीय उत्पादक	8.99	10.52	11.58	9.88	9.88
चीन जन.गण.	-	-	-	0.36	0.36
अन्य देश	0	0	0	0	0

पीसीएल5

मांग	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं. 08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन से कुल आयात मी.ट. में	0	0	123	1899	1,519.20
अन्य आयात	32	0.42	0	144	115.20
बिक्री-घरेलू उद्योग मी.ट. में (आबद्ध सहित)	1,166	928	834	720	576
बिक्री-अन्य उत्पादक, मी.ट. में	982	875	706	482	385.60
कुल मांग मी.ट. में	2,180	1,803.42	1,663	3,245	2,596
मांग में बाजार हिस्सा % में					
घरेलू उद्योग	53.49	51.46	50.15	22.19	22.19
अन्य भारतीय उत्पादक	45.05	48.52	42.45	14.85	14.85
चीन जन.गण.	0	0	7.40	58.52	58.52
अन्य देश	1.46	0.02	0	4.44	4.44

पीओसीएल3

मांग	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं. 08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन से कुल आयात मी.ट. में	0	0	0	960	768.00
ई यू से कुल आयात मी.ट. में	0	0	0	395	315.60
अन्य आयात	0	0	0	136	

					108.80
बिक्री-घरेलू उद्योग मी.ट. में (आबद्ध सहित)	2,176	2,817	2,197	3,991	3,192.80
बिक्री-अन्य उत्पादक, मी.ट. में	2,160	1,324	1,106	486	388.80
कुल मांग मी.ट. में	4,336	4,141	4,303	5,968	4,774
मांग में बाजार हिस्सा % में					
घरेलू उद्योग	50.18	68.03	74.30	66.88	66.88
अन्य भारतीय उत्पादक	49.82	31.97	25.70	8.14	8.14
चीन जन.गण.	0	0	0	16.09	16.09
ई.यू.	0	0	0	6.61	6.61
अन्य देश	0	0	0	2.28	2.28

टीएमपी

मांग	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं. 08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन से कुल आयात मी.ट. में	32	32	0	368	294.40
अन्य आयात	0	0	0	0	0
बिक्री-घरेलू उद्योग मी.ट. में (आबद्ध सहित)	2,842	4,153	4,467	5,816	4,652.80
बिक्री-अन्य उत्पादक, मी.ट. में	739	910	993	0	0
कुल मांग मी.ट. में	3,613	5,095	5,460	8,184	4,947.20
मांग में बाजार हिस्सा % में					
घरेलू उद्योग	78.66	81.51	81.81	94.05	94.05
अन्य भारतीय उत्पादक	20.45	17.86	18.19	0	0
चीन जन.गण.	0.89	0.63	0	5.95	5.95
अन्य देश	0	0	0	0	0

टीपीपीआई

मांग	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं. 08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन से कुल आयात मी.ट. में					51.20
	80	32	48	64	
अन्य आयात	0	0	0	0	0
बिक्री-घरेलू उद्योग मी.ट. में (आबद्ध सहित)	882	900	785	790	632
बिक्री-अन्य उत्पादक, मी.ट. में	578	858	899	764	611.20
कुल मांग मी.ट. में	1,540	1,790	1,732	1,618	1,294.40
मांग में बाजार हिस्सा % में					
घरेलू उद्योग	57.27	50.28	45.32	48.83	48.83
अन्य भारतीय उत्पादक	37.53	47.93	51.91	47.22	47.22
चीन जन.गण.	5.20	1.79	2.77	3.95	3.95
अन्य देश	0	0	0	0	0

यह देखा गया है कि पीसीएल3 के मामले में चीन के उत्पाद ने भारतीय बाजार में अपनी पैठ बनाई है जबकि पीसीएल5 के मामले में चीन के उत्पाद ने पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पर्याप्त हिस्सा हासिल किया है। पीओसीएल3 के मामले में संबद्ध देशों से हुए आयातों ने जांच अवधि के दौरान पर्याप्त बाजार हिस्सा हासिल किया है। टीएमपी के मामले में चीन के उत्पाद के आयातों के बाजार हिस्से में पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित हुई है जबकि टीपीपीआई के मामले में आधार वर्ष की तुलना में बाजार हिस्से में कमी आई है और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है।

मांग

देश में विचाराधीन उत्पाद की मांग या प्रत्यक्ष खपत का निर्धारण घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री (आबद्ध खपत सहित) तथा रिकॉर्ड में उपलब्ध समस्त स्रोतों से आयातों की मात्रा के रूप में किया गया है। यह नोट किया गया है कि क्षति अवधि की तुलना में पीसीएल3, पीसीएल5 और पीओसीएल3 की मांग में वृद्धि हुई है जबकि टीपीपीआई की मांग में गिरावट आई है। जहां तक टीएमपी का संबंध है, आधार वर्ष की तुलना में मांग में वृद्धि हुई है परंतु आधार वर्ष से इतर वर्षों की तुलना में इसमें गिरावट आई है।

आयातों का कीमत प्रभाव

जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटीती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि की तुलना में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु निविष्टि की लागत में पर्याप्त वृद्धि हुई थी जिससे क्षति अवधि के भीतर कीमतों में बढ़ोत्तरी हुई थी।

घरेलू बिक्री	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं., 08	अक्टू. 07 - दिसं., 08 (वार्षिकीकृत)
पीसीएल3						
बिक्री लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	98	100	169	169
घरेलू बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	91	92	197	197
पीसीएल5						
बिक्री लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	90	117	162	162
घरेलू बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	111	177	127
पीओसीएल3						
बिक्री लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	98	182	182
घरेलू बिक्री कीमत		***	***	***	***	***
	रु./किग्रा.					
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	90	221	221
टीएमपी						
बिक्री लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	79	107	157	157
घरेलू बिक्री कीमत		***	***	***	***	***
	रु./किग्रा.					
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	99	130	130
टीपीपीआई						
बिक्री लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	116	122	122
घरेलू बिक्री कीमत		***	***	***	***	***
	रु./किग्रा.					
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	92	125	125

उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि वर्ष-दर-वर्ष घरेलू उद्योग पीसीएल3, पीसीएल5, पीओसीएल3 तथा टीपीपीआई के मामले में बिक्री लागत में हुई वृद्धि से अधिक घरेलू बिक्री कीमत को बढ़ाने में समर्थ रहा था। टीएमपी के मामले में बिक्री लागत में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में 57% की वृद्धि हुई है और इसी अवधि के दौरान घरेलू बिक्री कीमत में 30% की वृद्धि हुई है।

जांच अवधि के दौरान निविष्टियों की कीमत में व्यापक उतार-चढ़ाव के कारण प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना माह-दर-माह आधार पर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ पुनः की है। तदनुसार भारित औसत कीमत कटौती का निर्धारण संबद्ध आयात मात्रा पर विचार करने के बाद किया गया है। यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योगों की बिक्री कीमत से काफी कम है जिसके परिणामस्वरूप ईयू से पीओसीएल3 के मामले को छोड़कर कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है:

देश	उत्पाद	आंकड़ों का आधार	कीमत कटौती (रु./किग्रा.)	कीमत कटौती % के रूप में
चीन जन.गण.	पीसीएल3	प्रतिवादी	***	1-10%
चीन जन.गण.	पीसीएल 5	प्रतिवादी	***	40-50%
चीन जन.गण.	टीएमपी	प्रतिवादी	***	60-70%

चीन जन.गण.	टीएमपी	आईबीआईएस	***	30-40%
चीन जन.गण.	टीपीपीआई	आईबीआईएस	***	5-15%
यूरोपीय संघ	पीओसीएल3	आईबीआईएस	***	आणविक

बिक्री मात्रा

घरेलू बिक्री के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना से निम्नानुसार पता चलता है:

घरेलू बिक्री		2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं. 08	अक्टू. 07 - दिसं. 08 (वार्षिकीकृत)
	इकाई					
पीसीएल3	मी.ट.	1,540	1,999	2,136	2,536	2029
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	130	139	132	132
पीसीएल5	मी.ट.	1,148	928	788	664	531
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	81	69	46	46
पीओसीएल3	मी.ट.	1,577	2,413	2,631	3,622	2898
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	153	167	184	184
टीएमपी	मी.ट.	1,070	906	752	601	481
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	70	45	45
टीपीपीआई	मी.ट.	695	604	741	623	498
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	107	72	72

उपर्युक्त से यह देखा जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में पीसीएल3 की घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है परंतु वर्ष 2007-08 की अवधि की तुलना में गिरावट आई है। यद्यपि पीओसीएल3 के मामले में क्षति अवधि की तुलना में घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है, तथापि क्षति अवधि की तुलना में पीसीएल5 तथा टीएमपी की घरेलू बिक्री में गिरावट आई है। जहां तक टीपीपीआई का संबंध है, वर्ष 2007-08 की अवधि को छोड़कर घरेलू बिक्री में गिरावट आई है।

क्षमता

रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता निम्नानुसार है:

क्षमता	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (अक्टू.07 से दिसं.08)	अक्टू.07 से दिसं. 08 (वार्षिकीकृत)
पीसीएल3	***	***	***	***	***
पीसीएल5	***	***	***	***	***
पीओसीएल3	***	***	***	***	***
टीएमपी	***	***	***	***	***
टीपीपीआई	***	***	***	***	***

घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उसके पास प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद के लिए पृथक/अनन्य सुविधा है। क्षति अवधि में कोई क्षमता संवर्धन नहीं हुआ है।

उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

तम्रि 2.15

	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.07 से दिसं.08	अक्टू.07 से दिसं.08 (वार्षिकीकृत)
पीसीएल3					
क्षमता	***	***	***	***	***
उत्पादन	***	***	***	***	***
क्षमता उपयोग	76.34	75.71	74.32	71.68	71.68
पीसीएल5					
क्षमता	***	***	***	***	***
उत्पादन	***	***	***	***	***
क्षमता उपयोग	73.72	64.17	46.56	36.76	36.76
पीओसीएल3					
क्षमता	***	***	***	***	***
उत्पादन	***	***	***	***	***
क्षमता उपयोग	77.01	71.25	95.14	79.62	79.62
टीएमपी					
क्षमता	***	***	***	***	***
उत्पादन	***	***	***	***	***
क्षमता उपयोग	90.67	86.00	76.81	80.41	80.41
टीपीपीआई					
क्षमता	***	***	***	***	***
उत्पादन	***	***	***	***	***
क्षमता उपयोग	47.97	55.06	42.11	31.11	31.11

यह देखा गया है कि :-

- (क) क्षति अवधि के दौरान पीसीएल3 तथा पीसीएल5 के उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।
- (ख) क्षति अवधि में पीओसीएल3 के उत्पादन और क्षमता उपयोग में उतार-चढ़ाव रहा है जिसमें वर्ष 2007-08 में वृद्धि हुई है परंतु उसके बाद जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है।
- (ग) टीएमपी के उत्पादन और क्षमता उपयोग में वर्ष 2007-08 तक गिरावट आई है और उसके बाद जांच अवधि में वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में भारी गिरावट आई है।
- (घ) टीपीपीआई के उत्पादन और क्षमता उपयोग में वर्ष 2006-07 में सुधार हुआ है परंतु उसके बाद लगातार गिरावट आई है।

बाजार हिस्सा

पीसीएल5 के संबंध में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पर्याप्त गिरावट आई है। टीपीपीआई के मामले में बाजार हिस्से में वर्ष 2007-08 तक गिरावट आई है परंतु उसके बाद जांच अवधि में वृद्धि हुई है। टीएमपी के मामले में क्षति अवधि के दौरान बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में पीसीएल3 के बाजार हिस्से में गिरावट आई है परंतु तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में उसमें मामूली सुधार हुआ है। जहां तक पीओसीएल का संबंध है, बाजार हिस्से में वर्ष 2007-08 तक वृद्धि हुई है परंतु उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई है।

कीमत को प्रभावित करने वाले कारक

यह देखा गया है कि यूरोपीय संघ से पीओसीएल3 के आयातों के मामले को छोड़कर प्रत्येक संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत इन उत्पादों की बिक्री कीमत से काफी कम रही है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है:

देश	उत्पाद	आंकड़ों का आधार	कीमत कटौती (रु./किग्रा.)	कीमत कटौती % के रूप में
चीन जन.गण.	पीसीएल3	प्रतिवादी	***	1-10%
चीन जन.गण.	पीसीएल 5	प्रतिवादी	***	40-50%
चीन जन.गण.	टीएमपी	प्रतिवादी	***	60-70%
चीन जन.गण.	टीएमपी	आईबीआईएस	***	30-40%
चीन जन.गण.	टीपीपीआई	आईबीआईएस	***	5-15%
यूरोपीय संघ	पीओसीएल3	आईबीआईएस	***	ऋणात्मक

लाभ/हानि, नकद प्रवाह तथा निवेश पर आय.

	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.07 से दिसं.08	अक्टू.07 से दिसं.08 (वार्षिकीकृत)
पीसीएल3					
कर पूर्व लाभ (रु./किग्रा.)	***	***	***	***	***
कर पश्चात लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	66	67	299	299
नकद लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	66	69	297	297
निवेश पर आय (%)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	63	35	90	90

	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.07 से दिसं.08	अक्टू.07 से दिसं.08 (वार्षिकीकृत)
पीसीएल3					
कर पूर्व लाभ (रु./किग्रा.)	***	***	***	***	***
कर पश्चात लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	-100	-35	-110	-32	-32
नकद लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	-100	-18	-91	8	8
निवेश पर आय (%)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	-100	2	-65	31	31

	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.07 से दिसं.08	अक्टू.07 से दिसं.08 (वार्षिकीकृत)
पीओसीएल3					
कर पूर्व लाभ (रु./किग्रा.)	***	***	***	***	***
कर पश्चात लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	-100	-192	-169	-124	-124
नकद लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	-100	-192	-169	-123	-123
निवेश पर आय (%)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	-100	-170	-57	-15	-15

	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 से दिसं. 08	अक्टू. 07 से दिसं. 08 (वार्षिकीकृत)
टीएमपी					
कर पूर्व लाभ (रु./किग्रा.)	***	***	***	***	***
कर पश्चात लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	224	110	57	57
नकद लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	221	113	56	56
निवेश पर आय (%)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	182	54	25	25

	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 से दिसं. 08	अक्टू. 07 से दिसं. 08 (वार्षिकीकृत)
टीपीपीआई					
कर पूर्व लाभ (रु./किग्रा.)	***	***	***	***	***
कर पश्चात लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	-353	-2,840	339	339
नकद लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	-41	-762	175	175
निवेश पर आय (%)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	44	-122	89	89

उपर्युक्त तालिकाओं से यह पता चलता है कि -

- (क) सीपीएल3 के मामले में घरेलू बिक्री पर लाभ एवं नकद लाभ में सुधार हुआ है । क्षति अवधि की तुलना में लगाई गई पूंजी पर आय काफी अधिक रही है ।
- (ख) पीसीएल5 के मामले में घरेलू उद्योग ने समूची क्षति अवधि में वित्तीय घाटा उठाया है । वर्ष 2007-08 तक लगाई गई पूंजी पर आय एवं नकद लाभ भी ऋणात्मक एवं कम रहा है और वह जांच अवधि के दौरान सकारात्मक हो गया है ।
- (ग) पीओसीएल3 के मामले में घरेलू उद्योग ने वित्तीय घाटा उठाया है, जिसमें वर्ष 2006-07 में वृद्धि हुई किंतु उसके बाद कमी आई है । परिणामतः लगाई गई पूंजी पर आय एवं नकद लाभ भी पूर्व में ऋणात्मक रहा है परंतु वर्ष 2006-07 के बाद उसमें सुधार हुआ है । तथापि, क्षति अवधि की तुलना में पीओसीएल3 के संबंध में घरेलू बिक्री पर लाभ, नकद लाभ एवं लगाई गई पूंजी पर आय ऋणात्मक बनी रही है ।
- (घ) टीएमपी के मामले में क्षति अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग लाभ में रहा है । तथापि, लाभ में वृद्धि वर्ष 2006-07 तक हुई थी परंतु उसके बाद उसमें गिरावट आई । जांच अवधि के दौरान लाभ आधार वर्ष के स्तर से कम रहा था । लगाई गई पूंजी पर आय एवं नकद लाभ की स्थिति भी लाभ की प्रवृत्ति के अनुसार रही है ।
- (ङ) टीपीपीआई के मामले में घरेलू उद्योग को वर्ष 2007-08 तक वित्तीय घाटा हो रहा है परंतु यह जांच अवधि में लाभदायक हो गया है । लगाई गई पूंजी पर आय एवं नकद लाभ में भी इसी प्रकार की प्रवृत्ति रही है ।

मालसूची

औसत मालसूची	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 से दिसं. 08	अक्टू. 07 से दिसं. 08 (वार्षिकीकृत)
पीसीएल3	मी.ट.	***	***	***	***	***
	मालसूची दिवसों की सं.	***	***	***	***	***

पीसीएल5	मी.ट.	***	***	***	***	***
	मालसूची दिवसों की सं.	***	***	***	***	***
पीओसीएल3	मी.ट.	***	***	***	***	***
	मालसूची दिवसों की सं.	***	***	***	***	***
टीएमपी	मी.ट.	***	***	***	***	***
	मालसूची दिवसों की सं.	***	***	***	***	***
टीपीपीआई	मी.ट.	***	***	***	***	***
	मालसूची दिवसों की सं.	***	***	***	***	***

अलग-अलग योगिकों की मालसूची के स्तरों के बारे में सूचना उपर्युक्त तालिका में निहित है । यह देखा जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में पीसीएल5 को छोड़कर संबद्ध वस्तु की मालसूची के स्तरों में गिरावट आई है ।

रोजगार, मजदूरी एवं उत्पादकता

चूंकि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद, बहु स्थानीय कंपनी है इसलिए रोजगार तथा मजदूरी एवं परिणामी उत्पादकता से पाटन के प्रतिकूल प्रभाव का पता नहीं चलता है ।

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

चूंकि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद, बहु स्थानीय कंपनी है इसलिए पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता से पाटन के प्रतिकूल प्रभाव का पता नहीं चलता है ।

वृद्धि

क्षति अवधि की तुलना में पीसीएल5 के उत्पादन एवं घरेलू बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई है । आधार वर्ष की तुलना में टीएमपी के उत्पादन एवं घरेलू बिक्री मात्रा में गिरावट आई है । क्षति अवधि की तुलना में टीपीपीआई के उत्पादन एवं घरेलू बिक्री मात्रा में प्रतिकूल वृद्धि देखी गई है जबकि वर्ष 2006-07 के दौरान टीपीपीआई के उत्पादन में वृद्धि हुई है । पीओसीएल3 के मामले में आधार वर्ष की तुलना में उत्पादन एवं घरेलू बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है । तथापि, क्षति अवधि की तुलना में टीएमपी को छोड़कर लाभप्रदता में सुधार हुआ है ।

पाटन मार्जिन की मात्रा:

यह देखा गया है कि यूरोपीय संघ से आयातित पीओसीएल3 को छोड़कर संबद्ध वस्तु के संबंध में पाटन मार्जिन अत्यधिक सकारात्मक है।

वास्तविक क्षति के बारे में निष्कर्षपीसीएल3

यह देखा गया है कि उत्पादन तथा क्षमता उपयोग के संबंध में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। तथापि, पीसीएल3 की घरेलू बिक्री में समग्र रूप से सुधार हुआ है। स्पष्टतः बाजार हिस्से में मुख्यतः अन्य उत्पादकों के बाजार हिस्से में वृद्धि होने के कारण मामूली गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान चीन से हुए आयातों का बाजार हिस्सा न्यूनतम 0.36% रहा है।

यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग घरेलू बिक्री कीमत में बिक्री लागत में हुई वृद्धि से अपनी अधिक बढ़ोतरी करने में समर्थ रहा है जिससे किसी मूल्यह्रास का पता नहीं चलता है। यद्यपि, पीसीएल3 के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है तथापि, घरेलू उद्योग पर उसका प्रभाव दृष्टिगोचर नहीं होता है।

क्षति अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग की समग्रता में सुधार हुआ है और लगाई गई पूंजी पर आय काफी अधिक रही है। घरेलू उद्योग बिक्री कीमत की वसूली करने में समर्थ रहा है जो जांच अवधि के दौरान क्षति रहित कीमत से अधिक रही है। अतः यह नहीं कहा जा सकता कि घरेलू उद्योग को पीसीएल3 के आयातों के कारण क्षति हो रही है।

पीसीएल5

यह देखा गया है कि घरेलू बिक्री, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग के संबंध में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। वर्ष 2007-08 में 7.40% के बाजार हिस्से के साथ चीन जन.गण. से पीसीएल5 का आयात शुरू हुआ था जो जांच अवधि में काफी अधिक बढ़कर 58.52% हो गया। यद्यपि, चीन जन.गण. के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग का हिस्सा वर्ष 2005-06 में 53.49% से घटकर वर्ष 2007-08 में 50.15% और जांच अवधि में 22.19% हो गया है।

जहां तक कीमत प्रभाव का संबंध है, यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग, घरेलू बिक्री कीमत में बिक्री लागत में हुई वृद्धि से अधिक बढ़ोतरी करने में समर्थ रहा है और इस प्रकार किसी कीमत ह्रास का पता नहीं चलता है। परंतु, पीसीएल5 के आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही है। क्षति अवधि की तुलना में जहां पीसीएल5 के संबंध में

लाभप्रदता में सुधार हुआ है, वहीं घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत क्षतिरहित कीमत से कम रही है ।

यह देखा गया है कि समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हो रहा है । तथापि, जांच अवधि से पूर्व की क्षति अवधि में आयातों की कम मात्रा को ध्यान में रखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि जांच अवधि से पूर्व यह घाटा आयातों के कारण हुआ था । लेकिन यह भी देखा जाता है कि जांच अवधि के दौरान पाटित कीमतों पर पर्याप्त आयात हुए हैं जिससे आयातों की तुलना में बाजार हिस्से में भारी नुकसान हुआ है ।

पीओसीएल3

संबद्ध देशों से पीसीओएल3 के आयात जांच अवधि में शुरू हुए थे और उन्होंने जांच अवधि के दौरान पर्याप्त बाजार हिस्सा हासिल कर लिया था । तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई परंतु यह आधार वर्ष के हिस्से से अधिक बना रहा । पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में गिरावट आई परंतु वर्ष 2005-06 और 2006-07 की तुलना में वृद्धि हुई । अतः क्षति अवधि की तुलना में कोई प्रतिकूल प्रभाव प्रदर्शित नहीं होता है ।

जहां तक कीमत प्रभाव का संबंध है, यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग, घरेलू बिक्री कीमत में बिक्री लागत में हुई वृद्धि से अधिक बढ़ोत्तरी करने में समर्थ रहा है और इस प्रकार किसी कीमत ह्रास का पता नहीं चलता है । आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम रही है । तथापि, आयातों की मात्रा केवल जांच अवधि में ही शुरू हुई है और यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग को वर्ष 2005-06 से वित्तीय घाटा शुरू हुआ है जिसमें वर्ष 2006-07 में वृद्धि हुई है जब जांच अवधि से पूर्व कोई आयात नहीं हुआ था । स्पष्टतः आयातों के बिना भी घरेलू उद्योग का प्रतिकूल निष्पादन विद्यमान था । यह प्रदर्शित नहीं किया गया है कि प्रतिकूल निष्पादन का कारण संबद्ध वस्तु के आयातों को माना जा सकता है । इसके अलावा, यूरोपीय संघ से संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में ऋणात्मक पाटन मार्जिन देखा गया है ।

टीएमपी

टीएमपी के मामले में जांच अवधि के दौरान, चीन के उत्पाद के बाजार हिस्से में पर्याप्त वृद्धि देखी गई है । तथापि, इसी समय घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भी वृद्धि हुई है । तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में उत्पादन में वृद्धि हुई है लेकिन वर्ष 2005-06 तथा 2006-07 की तुलना में गिरावट आई है । क्षति अवधि में घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है । इस प्रकार टीएमपी के संबंध में कोई प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव नहीं देखा गया है ।

घरेलू उद्योग क्षति अवधि के दौरान लाभ कमा रहा था, परंतु आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उसमें भारी गिरावट आ गई । निवेश पर आय एवं नकद लाभ के संबंध में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में भी गिरावट आई । यह भी देखा गया है

कि बिक्री कीमत में वृद्धि बिक्री लागत में वृद्धि के अनुरूप नहीं हुई है जिससे पर्याप्त कीमत हास हुआ है। इसके अलावा, टीएमपी के आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही है।

तथापि, चीन जन.गण. से टीएमपी के आयातों के बारे में ऋणात्मक सृजन देखा गया है। इस प्रकार, कारणात्मक संबंध का स्पष्ट अभाव है।

टीपीपीआई

यह देखा गया है कि बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से के संबंध में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। मात्रा संबंधी मापदंडों में यह गिरावट टीपीपीआई की मांग में कमी और अन्य घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में वृद्धि के कारण आई है। चीन जन.गण. से हुए आयातों में भी समग्र रूप में और कुल भारतीय मांग की तुलना में गिरावट आई है। स्पष्टतः आयातों के कारण कोई प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव नहीं देखा गया है।

जहां तक कीमत प्रभावों का संबंध है, क्षति अवधि की तुलना में टीपीपीआई के संबंध में, लाभप्रदता में सुधार हुआ है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग बिक्री लागतों में वृद्धि से अधिक घरेलू बिक्री कीमत बढ़ाने में समर्थ हुआ है और इस प्रकार कोई कीमत हास नहीं देखा गया है।

यह देखा गया है कि मांग में कमी आई है परंतु घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि संबद्ध देश से आयातों के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।

निष्कर्ष

रिकॉर्ड में उपलब्ध सामग्री के अनुसार प्राधिकारी का इस चरण पर यह मत है कि घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदंडों से सामूहिक एवं संचयी रूप से यह सिद्ध होता है कि पीसीएल5 के आयातों के मामले में घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

छ. कारणात्मक संबंध

13 इस बात की जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य मापदंडों से पीसीएल5 के मामले में घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। जहां केवल यह देखा गया है कि इससे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। इस संबंध में निम्नानुसार पाया गया है:

- (क) तीसरे देशों से आयात :- हांगकांग से सूचित आयातों के मामले में आवेदक ने यह दावा किया है कि ये चीन की सामग्री के केवल यानांतरण हैं और यह कि हांगकांग में इन उत्पादों की कोई उत्पादन क्षमता नहीं है । यद्यपि, संबद्ध वस्तु का अन्य देशों से आयात किया जा रहा है तथापि, ये आयात न्यूनतम स्तर से कम हैं ।
- (ख) मांग में कमी:- यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में पीसीएल5 की मांग में वृद्धि हुई है ।
- (ग) खपत की पद्धति :- खपत की पद्धति में कोई खास परिवर्तन नहीं देखा गया है ।
- (घ) प्रतिस्पर्धा की स्थितियां :- आवेदक ने यह दावा किया है कि प्रतिस्पर्धा की स्थितियां अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति के लिए जिम्मेवार नहीं है । किसी भी हितबद्ध पार्टी ने इस दावे का खंडन नहीं किया है ।
- (ङ) प्रौद्योगिकी विकास :- आवेदक ने दावा किया है कि प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो । किसी भी हितबद्ध पार्टी ने इस दावे का खंडन नहीं किया है ।
- (च) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन :- आवेदक के पर्याप्त निर्यात कार्यकलाप हैं । तथापि, घरेलू प्रचालनों के बारे में पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराई गई है ।
- (छ) उत्पादकता :- आवेदक ने दावा किया है कि उत्पादकता में परिवर्तन विचाराधीन उत्पाद के पाटन के परिणामस्वरूप हुए हैं ।

रिकॉर्ड में उपलब्ध सामग्री के अनुसार प्राधिकारी का इस चरण पर यह मत है कि घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदंडों से सामूहिक तथा संचयी रूप से यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को पीसीएल5 के मामले में चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है ।

ज. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

15 प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का

प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

15.1 प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकेंगे।

अ. सिफारिशें

16 प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पार्टियों को दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरू करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटन आयकों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की अनंतिम रूप से सकारात्मक पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी की यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और चीन जन.गण. से पीसीएल 5 के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र में और तरीके से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

16.1 प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित पीसीएल 5 के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के अनुसार अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जाती है।

क्र. सं.	शीर्ष/ उप शीर्ष	वस्तु विवरण	उत्पन्न का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28121022	फॉस्फोरस पेंटाक्लोराइड (पीसीएल 5)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. जुझोक विद्युत्तमिक केमिकल	मै. चीन हाओफुल केमिकल (ग्रुप) कारपोरेशन	0.328	प्रति किग्रा.	अम.डॉ.

					क. सि.				
2.	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	मै. जुझोक प्रिवानसिंग केनिकल क. सि.	मै. सिनकिम इंटरनेशनल कॉन्फरेंस	0.436	प्रति क्रिया.	अम. डॉ.
3.	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	क्र.सं. 1 और 2 को छोड़कर उत्प्रेषक तथा निर्यातक का कोई संकेतन		0.638	प्रति क्रिया.	अम. डॉ.
4.	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	कोई	कोई	कोई	0.638	प्रति क्रिया.	अम. डॉ.
5.	-वही-	-वही-	कोई	चीन जन. गण.	कोई	कोई	0.638	प्रति क्रिया.	अम. डॉ.

अ. आगे की प्रक्रिया

17. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:--

- (क) प्राधिकारी समस्त हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे जिन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदक और संबंधित समझी जाने वाली अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है, जो इन जांच परिणामों के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है।
- (ग) प्राधिकासे विभिन्न हितबद्ध पार्टियों के विचारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए एक सुनवाई आयोजित करेंगे।
- (घ) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्वापन किया जाएगा;
- (ङ) प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमों के अनुसार अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 18th August, 2009

Preliminary Findings

Subject : Anti-dumping Investigation concerning imports of 'Certain Phosphorous based Chemical compounds' originating in or exported from China PR & European Union.

No. 14/3/2009-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the AD Rules);

A. PROCEDURE

2. The procedure described herein below has been followed:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written application from the Association of Small & Medium Chemical Manufacturers (ASMECHEM), Mumbai on behalf of the domestic industry, alleging dumping of 'Certain Phosphorous based chemical compounds' namely PCL3, PCL5, TMP and TPPI (hereinafter referred to as the subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country) and POCL3 (hereinafter referred to as the subject goods) originating in or exported from China PR and European Union (hereinafter referred to as subject countries).
- ii. The Authority notified the Chinese Embassy/ Office of Delegation of European Union in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- iii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry issued a public notice dated 13th February, 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of subject goods originating in or exported from subject countries, in accordance with the sub-rule 6(1) of the AD Rules to

determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

- iv. The Designated Authority sent a copy of initiation notification dated 13th February, 2009 to the Chinese Embassy/ Office of Delegation of European Union in India, known exporters from subject countries, known importers/ users and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- v. Request for extension of time to file the questionnaires' response was received from some interested parties. The Authority granted the time extension, keeping in view the time constraints.
- vi. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Chinese Embassy/ Office of Delegation of European Union in India in accordance with Rule 6(3) supra.
- vii. The Chinese Embassy / Office of Delegation of European Union in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country/territory to respond to the questionnaire within prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known exporters.
- viii. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rules 6(4).

Producers/Exporters in China PR

S.N.	Company's Name
1.	Jiangsu Changyu Chemical Co. Ltd
2.	Jiangsu Changyu Chemical Co. Ltd
3.	Changzhou Cuiqiao Weixing Chemical Co., Ltd
4.	China Haohua Chemical (Group) Corporation
5.	Jiangsu Jinmei International trade Co Ltd.
6.	Xuzhou Jianping Chemical Co.Ltd.

7.	Shanghai Huayi Group Huayuan Chemical Industry Co Ltd
8.	Shandong Dacheng Chemical Group

Producers/Exporters in European Union

S.N.	Company's Name
1.	Thermphos International B.V.
2.	Thermphos Deutschland GmbH
3.	CHIMIE PLUS Laboratories
4.	Agro-Chemie Kft
5.	PCC Rokita SA
6.	Chimcomplex S.A. Borzesti
7.	Panreac Quimica S.A.
8.	Pentagon Chemical Specialties Ltd.

- ix. In response to the above notification, following exporters/producers have responded:

S.N.	Company's Name	Country	Status	Product
1.	M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd. – "Jiangping"	China PR	Producer	PCL3, PCL5, POCL3
2.	M/s Sancaitang Chemical Industry & Technology Co., Ltd. HB – "Sancaitang"	China PR	Producer	TMP
3.	M/s Luohe Huipu Chemistry Industry Factory – "Huipu"	China PR	Producer	TMP
4.	M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation – "Haohua"	China PR	Exporter	PCL3, PCL5, POCL3, TMP
5.	M/s Sinochem International Corporation – "Sinochem"	China PR	Exporter	PCL3, PCL5, POCL3, TMP

- x. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

SN	Company' name	Product
1.	DCM Shriram Industries Ltd., New Delhi	PCL3
2.	Rencal Chemicals (I) Ltd., Vashi	
3.	SeQuent Scientific Limited, New Mangalore	
4.	Roopa Industries Ltd., Hyderabad	
5.	Penam Laboratories Limited, New Delhi	
6.	Dr. Reddy's Laboratories, Hyderabad	PCL5
7.	Unimark Remedies Ltd., Mumbai	PCL5, TMP, TPPI
8.	Hetero Drugs Ltd., Hyderabad	PCL5
9.	Vardhaman Chem Tech Ltd	PCL5
10.	KLJ Organics Ltd., New Delhi	POCL3
11.	Megafine Pharma (P) Ltd., Mumbai	
12.	Bilag Industries Ltd., Vapi	
13.	Hindustan Insecticides, New Delhi	TMP
14.	Insecticides India Ltd., New Delhi	
15.	Dhanuka Laboratories Ltd., Gurgaon	TPPI

- xi. In response thereof, following have responded:

M/s Roopa Industries Limited, Hyderabad has filed their importer's questionnaire providing details of the imports of the subject goods by them.

- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xiii. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- xiv. Investigation was carried out for the period starting from 1st October 2007 to 31st December 2008. The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2005-March 2006, April 2006-March 2007, April 2007-March 2008 and the Period of Investigation (POI).
- xv. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the AD Rules.

B. PRODUCTS UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLES

3. The products under consideration are 'Certain Phosphorous based chemical compounds', viz:

- (1) Phosphorous trichloride (PCL₃)
- (2) Phosphorous pentachloride (PCL₅)
- (3) Phosphorous oxychloride (POCL₃)
- (4) Triphenyl phosphite (TPPI)
- (5) Trimethyl phosphite (TMP)

3.1 The applicant has stated that these products have the following synonyms as tabulated:

Product name	Synonym name
Phosphorus Trichloride (Pcl ₃)	Phosphorus(III) chloride, Phosphorus Chloride
Phosphorus Oxychloride (Pocl ₃)	Phosphoryl chloride
Phosphorus Pentachloride (Pcl ₅)	Phosphorus(V) chloride
Triphenyl Phosphite (TPPI)	Phosphorus acid triphenyl ester, TPP
Trimethyl Phosphite (TMP)	Phosphorus acid trimethyl ester, Phosphonic acid trimethyl ester, Methyl Phosphite

3.2 PCL₅, POCL₃ and PCL₃ are inorganic chemicals, classifiable under Chapter 28, whereas, TMP and TPPI are organic chemicals, classifiable under Chapter 29. Customs classification of each of the subject goods is as follows:

Subject Product	Customs Classification
PCL ₃	28121021
PCL ₅	28121022
POCL ₃	28121030
TMP	29209041
Other (TPPI)	29209099

3.3 The Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. The products under consideration are extensively used in production of various pesticides, insecticides and pharmaceuticals.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 3.4 With regard to like articles, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under: -

"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

- 3.5 With regard to the possible difference between the products sold by the exporters in the Indian market and the products sold by the domestic industry, the Authority notes that there is no dispute by the exporters that there is any difference in the two products. After considering the information on record, the Authority holds that there is no known difference in products under consideration exported from subject countries and the products produced by the Indian industry. Products under consideration produced by the domestic industry are comparable to the imported subject products in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. None of the opposing interested parties has raised any issue in this regard.

- 3.6 Thus, the Authority is of the view that products under consideration produced by the domestic industry are like articles to the subject products under consideration in accordance with the AD Rules.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

- 4 Rule 2(b) of the AD Rules defines domestic industry as under:-

(b) "Domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry.

- 4.1 The Application has been filed by Association of Small & Medium Chemical Manufacturers (ASMECHEM), Mumbai on behalf of the domestic industry. M/s. United Phosphorus Limited has provided injury information, whereas M/s. Punjab Chemicals and Crop Protection Ltd, M/s. Sandhya Industrial Chemicals, M/s. Sandhya Dyes & Chemicals, M/s. S.M. Chemicals, M/s. Excel Industries Limited, M/s. Cheminova India Ltd and M/s. Pharma Chemicals Industries have supported the petition. None of the opposing interested parties has raised any issue in this regard.
- 4.2 The Authority notes that (a) production of each of the subject goods by M/s. United Phosphorus Limited constitute a major proportion of the Indian

production (b) Production of each of the subject goods by the M/s. United Phosphorus Limited along with that of the supporters constitute more than 50% of the Indian production (c) that the application has been made by or on behalf of the domestic industry in terms of the AD Rules. Thus, M/s United Phosphorus Limited constitutes domestic industry for each of the products under consideration within the meaning of the Rule 2(b) read along with Rule 2(d) of the AD Rules.

E. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Normal Value in respect of producers/exporters from China PR

5. The Authority sent questionnaires to the known exporters from China PR, advising them to provide information in the form and manner prescribed. Responses to the questionnaires have been filed by the following producers/exporters from China PR:

S.N.	Name
1.	M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd.
2.	M/s Luohe Huipu Chemistry Industry factory
3.	M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation
4.	M/s Sancaitang Industry and technology Co. Ltd. HB
5.	M/s Sinochem International Corporation

Submissions made by Chinese exporters/producers

M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd.

- 5.1 It has been stated that M/s Xuzhou Jianping Chemical Co., Ltd. (Jianping) is a producer and domestic seller of the product concerned, but is not an exporter. M/s Jianping sells the product concerned to two Chinese trading companies named China Haohua Chemical (Group) Corporation ("Haohua") and Sinochem International Corporation ("Sinochem"). Then Haohua and Sinochem resell (export) the products to India. M/s Jianping is the producer & supplier and M/s Haohua and M/s Sinochem are the exporters. They are not related to each other. M/s Jianping along with M/s Haohua and M/s Sinochem have responded to the questionnaire. M/s Jianping only produces PCL3, PCL5, POCL3 and does not produce TPPI and TMP. So the response refers to PCL3, PCL5 and POCL3 only.

- 5.1.1 It has been stated that there is no variation between the products under consideration in the country of export and the products under consideration exported to India. All the materials and relevant inputs are purchased locally from several suppliers, including from State owned companies.

M/s Luohe Huipu Chemistry Industry factory

- 5.2 It has been stated that M/s Luohe Huipu Chemistry Industry Factory (Huipu) is a producer and domestic seller of the product concerned, but is not an exporter. M/s Huipu sells the product concerned to one Chinese trading company named M/s Sinochem International Corporation (Sinochem). Then Sinochem resells (exports) the products to India. M/s Huipu is the producer and supplier, whereas M/s Sinochem is the exporter. The two are not related.
- 5.2.1 M/s Huipu only produces TMP, and sells TMP in domestic market, and sells TMP to India through Sinochem. So response refers to TMP only. It has been stated that there is no variation between the product under consideration in the country of export and the product under consideration exported to India.
- 5.2.2 The assets used to produce TMP were purchased by the shareholder in 2004 from Yancheng Chemical Factory which was an insolvent State-owned enterprise. There was no assets evaluation report made during the course of purchase of the assets. The Company acquires major raw materials from several suppliers. All the materials and relevant inputs are purchased locally from several suppliers, including from State owned companies.

M/s Sinochem International Corporation

- 5.3 It has been stated that M/s Sinochem International Corporation is the exporter/trader of the product concerned, but is not the producer of the products concerned. M/s Xuzhou Jianping Chemical Co., Ltd. (Jianping) and Luohe Huipu Chemistry Industry Factory (Huipu) are the suppliers of M/s Sinochem.
- 5.3.1 All of the PCL3, PCL5 and POCL3 exported to India during the POI were supplied by M/s Jianping. All of the TMP exported to India during the POI was supplied by M/s Huipu. M/s Jianping and M/s Huipu have responded the questionnaire. M/s Jianping, M/s Huipu and M/s Sinochem are not affiliated. However, Sinochem only exported PCL3, PCL5, POCL3 and TMP to India during the POI. So in this questionnaire response, the products concerned refer to PCL3, PCL5, POCL3 and TMP.
- 5.3.2 It has been stated that the subject goods sold in domestic market by M/s Jianping and M/s Huipu are identical in physical/ technical / chemical characteristics with those exported to India by M/s Sinochem. M/s Sinochem is the subsidiary of M/s Sinochem Corporation, which is 100% owned by the State-owned Assets Supervision and Administration Commission of the State Council of China PR.

M/s Sancaitang Chemical Industry and Technology Co., Ltd. HB

- 5.4 It has been stated that M/s Sancaitang is a producer and domestic seller of the product concerned, but is not an exporter of the subject goods. Sancaitang sells the product concerned to one Chinese trading company named China Haohua Chemical (Group) Corporation ("Haohua"). Then Haohua resells (exports) the products to India or other countries. Thus, Sancaitang is the producer and Haohua is the exporter. The two are not

related. Both Sancitang and Haohua have responded to the questionnaire. Sancitang only sells TMP to India through Haohua, so the questionnaire response refers to TMP only.

- 5.4.1 It has been stated that there is no variation between the product under consideration in the country of export and the product under consideration exported to India. The assets used to produce TMP were purchased by the shareholders in 2004 from Jingzhou Additive Factory which was an insolvent State-owned enterprise. There was no assets evaluation report made during the course of purchase of the assets. The Company acquires major raw materials from several suppliers. All the materials and relevant inputs are purchased locally, including from State owned company.

M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation

- 5.5 It has been stated that M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation (hereinafter referred to as "Haohua" or "the Company") is the exporter/trader of the product concerned, but is not the producer of the product concerned. M/s Xuzhou Jianping Chemical Co., Ltd. (Jianping) and Sancitang Chemical Industry and Technology Co., Ltd. HB (Sancitang) are the suppliers of M/s Haohua. All of the PCL3, PCL5 and POCL3 exported to India during the POI were supplied by M/s Jianping. All of the TMP exported to India during the POI was supplied by M/s Sancitang. They are not affiliated to each other.

- 5.5.1 M/s Haohua only exported PCL3, PCL5, POCL3 and TMP to India during the POI. So the response refers to PCL3, PCL5, POCL3 and TMP only. It has been stated that there is no variation between the product under consideration in the country of export and the product under consideration exported to India.

- 5.5.2 M/s Haohua is 100% owned by China National Chemical Corporation which is a State-owned company.

Views of the domestic industry

- 6 It has been contended by the domestic industry that China PR should be treated as non market economy country, *inter alia*, stating that:

- **Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity** – It has been contended by the Domestic industry that the European Commission has consistently held that possibilities of State interference cannot be ruled out in cases, where there is significant share of a State owned/controlled entity. It has been contended that it is not only the question of past interferences alone, but also possibilities of potential State interference in the future after the imposition of anti dumping duties that is relevant for granting market economy treatment.
- **Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values**: It has been contended by the Domestic industry that

- "substantially reflect market values" has been widely interpreted to mean that the price of these inputs must be comparable to the prices prevailing in the international market. The Domestic Industry contends that the fact that such prices are comparable to the price prevailing in China PR is grossly insufficient.
- **Major inputs include utilities:** It has been contended by the Domestic industry that production of the products concerned require power and fuel as a major item of utility. Admittedly, while the power supplier is a State owned entity, insufficient information is available with regard to fuel supplier. It has not been established by the exporters that the price of utilities reflect fair market values.
 - **Market economy status cannot be given unless the responding exporters establish that their books are audited in line with international accounting standards:** It has been contended by the Domestic industry that Chinese exporters have repeatedly disputed the treatment of European Commission to reject market economy treatment in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with Chinese GAAP. Chinese companies in such cases have been contending that the requirement of insisting on compliance with International Accounting Standards is beyond law. The European Commission has held that the requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report. To quote the European Commission, reliability of the accounts is not established with regard to this aspect unless the books are consistent with International Accounting Standards.
 - **Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied:** It has been contended by the Domestic industry that the European Commission has repeatedly insisted that market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the Rules.
 - **Onus/obligations:** It has been contended by the Domestic industry that it is not for the Authority to establish that the responding companies are indeed operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. On the contrary, it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
 - **Transformation:** It has been contended by the Domestic industry that in a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
 - It has been contended by the Domestic industry that failure to satisfy a number of conditions mentioned above by the responding Chinese exporters, is sufficient to hold that market economy status cannot be granted to

responding Chinese companies and thus the Normal value should be determined in accordance with Para-7 of the Rules.

Examination of Market Economy claims by the Authority

6.1 The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the AD Rules.

6.2 As per Paragraph 8 of Annexure I to the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts,

c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and

d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

6.3 The Authority notes that the Chinese exporters have submitted their questionnaire responses including the market economy questionnaire responses, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporter have been examined for determination of Normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows:

6.4 The Authority notes that in a situation where one the company is a State owned/controlled entity, possibilities of State interference cannot be ruled out, requiring further investigation, including spot verification. Further, the responding Chinese producers have not provided any evidence to establish that prices of basic inputs substantially reflect market values, particularly in the context that some inputs

have also been procured from State-owned companies. The producers have named the raw materials suppliers and identified their legal status, some of which are State-owned. The respondents have not provided any evidence to establish that the inputs have been procured at prevailing international prices. Besides, it is also seen that in some cases, assets used to produce the products were acquired from insolvent State-owned enterprises. These also call for further investigation, including spot verification.

6.5 Thus, the Authority is unable to grant market economy treatment to the Chinese exporters at this stage, pending further investigation including spot verification.

6.6 It is also noted that no questionnaire responses have been filed by entities other than the Chinese exporters specified above.

6.7 In view of the above, pending examination of the above issues regarding ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the enterprise etc, and verification of the same, the Authority is of the view that the producers - exporters from China PR cannot be granted market economy status for the preliminary determination of their Normal Value.

6.8 Considering the China PR as NME for the purposes of these preliminary findings, the Authority has determined Normal values for the products that are like articles to the exported products. No difference has been claimed between the products sold by the exporters in their domestic market and the products exported by them to India.

Determination of Normal value in respect of Co-operative Exporters/Producers

7.1 As noted above, there are significant issues of market economy determination in respect of the responding exporters from the subject country that requires further examination and verification. Therefore, pending further examination and verification of the claims made by the responding exporters and producers from China PR, in respect of their market economy claims and individual treatment claims; for the purposes of the preliminary finding, the Authority has provisionally estimated the Normal value in China on the basis of Para-7 to Annexure-I to the Rules.

7.2 Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time

of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

7.3 The Authority indicated, in the initiation notification that the applicant has claimed that China PR should be treated as Non Market Economy and therefore Normal value in case of China PR should be determined in accordance with Para 7 and 8 of Annex-1 of the Rules. The applicant has submitted that India can be considered as an appropriate market economy third country for determination of normal value in China PR, pleading that information for market economy third country is not available to them. This claim has not been contested by any other interested party.

7.3.1 In view of significant changes in the price of yellow phosphorus within the period of investigation, a major raw-material to manufacture the subject goods, the price of yellow phosphorus at the time of exports has been considered on a monthly basis. The Normal value has been determined accordingly on the basis of international prices of major raw materials, consumption norms of the responding exporters, conversion costs as per domestic industry duly adjusted, to include selling, general & administrative expenses and reasonable profit margin, except in case of TPPI, wherein even the consumption norms of the domestic industry have been adopted as no producer/exporter from China PR has responded to the questionnaires.

7.4 The Authority has noted that no difference has been claimed by any producer/exporter regarding the product under consideration that has been sold to India and like articles that has been sold in their domestic market. Pending further examination of the issues, for the purpose of preliminary determination, the Authority proceeds to provisionally determine the Normal value in China PR on available reasonable basis, in terms of second proviso of para 7 of Annexure-1 to the AD Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the products under consideration have been provisionally determined based on costs of production in India, duly adjusted. Since the exporters have not established any difference in the characteristics of the products under consideration exported to India and goods sold by the domestic industry, the Normal Values have been constructed taking into account international price of major inputs, consumption norms of the responding exporters, conversion costs and SGA expenses of the domestic industry duly adjusted and a reasonable profit margin of 5% for PCL3, PCL5, POCL3 & TMP. As regards TPPI, no producer/exporter from China PR has responded to the questionnaires; therefore Normal value has been constructed taking into account international price of major inputs, consumption norms, conversion costs and SGA expenses of the domestic industry duly adjusted and a reasonable profit margin of 5%.

Normal Value in respect of producers/exporters from European Union

- 8.1. M/s ThermPhos International B.V. from Netherlands responded to the notification and has, *inter alia*, stated that the fundamental are missing to accuse Europe of dumping of POCL3. They have contended that the volumes from Europe are minuscule and that they are not dumping the product under consideration.

Examination by the Authority

- 8.2. The Authority notes that M/s ThermPhos International BV has neither responded to the questionnaire nor has substantiated any of the claims made by them in their response. As per the data available on record, the volume of imports of the subject goods are more than the prescribed limits laid down under the AD Rules. The Authority would certainly examine the issue further during the course of the investigation, should the evidence be produced to the contrary by the respondent in this regard.
- 8.3. In respect of European Union, selling price in EU was looked into for determination of the Normal value. This selling price in EU was claimed by the Applicant on the basis of price at which an importer/ consumer in EU has imported the product. Alternatively, the Normal value in EU has also been determined on the basis of constructed value, considering estimates of cost of production, duly adjusted, to include selling, general & administrative expenses and reasonable profit margin. However, the latter determination of Normal Value works out as lower than that determined on the basis of the selling price in EU and the same has been adopted for POCL3 in case of EU.

Determination of Normal value in respect of Non-Co-operative Exporters / Producers

- 8.4. Since, no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods from the subject countries; the Authority has decided to determine their Normal Value as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules.

EXPORT PRICE**Export Price in respect of Co-operative Exporters/Producers**

9. The Authority has considered all exports made by the responding exporters for determination of export price for each of the product under consideration as per their submissions.

M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd. (Producer) through M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation ("Haohua") (Exporter)

- 9.1 M/s "Jianping" is a Chinese producer of PCL3, PCL5 and POCL3. M/s Jianping does not directly export PCL3, PCL5 and POCL3 to India and sells the product concerned to unrelated Chinese trading companies, one of which is M/s

China Haohua Chemical (Group) Corporation ("Haohua") and then M/s Haohua exports the products to India.

9.1.1 The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporter could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested parties. The export prices have been allowed as claimed by the responding exporter, subject to further investigation and spot verification.

9.1.2 Separate weighted average export price to India has been determined for each of the subject goods exported. The adjustments have been made on account of ocean freight, overseas insurance, bank charges, VAT and credit charges as claimed by the exporter for the purpose of the preliminary findings. Further the profit margin determined for the trader has been considered for the determination of ex-factory export price, subject to further investigation and spot verification.

M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd. (Producer) through M/s Sinochem International Corporation ("Sinochem") (Exporter)

9.2 M/s Jianping" is a Chinese producer of PCL3, PCL5 and POCL3. M/s Jianping does not directly export PCL3, PCL5 and POCL3 to India and sells the products concerned to unrelated Chinese trading companies, one of which is M/s Sinochem International Corporation ("Sinochem"). M/s Sinochem then exports these products to India.

9.2.1 The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporter could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested parties. The export prices have been allowed as claimed by the responding exporter, subject to further investigation and spot verification.

9.2.3 Separate weighted average export price to India has been determined for each of the subject goods exported. The adjustments have been made on account of ocean freight, overseas insurance, bank charges, VAT and credit charges as claimed by the exporter for the purpose of the preliminary findings. Further the profit margin determined for the trader has been considered for the determination of ex-factory export price, subject to further investigation and spot verification.

M/s Luohe Huipu Chemistry Industry factory (Producer) through M/s Sinochem International Corporation (Exporter)

9.3 M/s Luohe Huipu Chemistry Industry factory ("Huipu") is a Chinese producer of TMP. M/s Huipu does not directly export TMP to India and has sold the product concerned to an unrelated Chinese trading company namely M/s Sinochem International Corporation ("Sinochem"). M/s Sinochem then has exported the product to India.

9.3.1 The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporter could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested parties. The export prices have been allowed as claimed by the responding exporter, subject to further investigation and spot verification.

9.3.2 Separate weighted average export price to India has been determined for subject goods exported. The adjustments have been made on account of handling charges, ocean freight, overseas insurance, bank charges, VAT and credit charges as claimed by the exporter for the purpose of the preliminary findings. Further the profit margin determined for the trader has been considered for the determination of ex-factory export price, subject to further investigation and spot verification.

M/s Sancitang Industry and technology Co.Ltd. (Producer) through M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation, (Exporter)

9.4 M/s Sancitang Industry and technology Co. Ltd is a Chinese producer of TMP. M/s Sancitang does not directly export TMP to India and has sold the product concerned to an unrelated Chinese trading company namely M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation, (Exporter). M/s Haohua then has exported the product to India.

9.4.1 The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporter could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested parties. The export prices have been allowed as claimed by the responding exporter, subject to further investigation and verification.

9.4.2 Separate weighted average export price to India has been determined for subject goods exported. The adjustments have been made on account of handling charges, ocean freight, overseas insurance, bank charges, VAT and credit charges as claimed by the exporter for the purpose of the preliminary findings. Further the profit margin determined for the trader has been considered for the determination of ex-factory export price, subject to further investigation and verification.

Determination of Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters / Producers

9.5 Since, no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods from the subject countries; the Authority has decided to determine their Export Price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The data has been collated as per the information provided by the applicant and the information provided by the co-operative exporters.

DUMPING MARGIN:

10. Considering the Normal values and Export prices as determined above separately for each of the products subject to investigation, the dumping margins have been determined as follows:

Producer/Exporter	From	Country	Product	Dumping Margin US\$ per Kg	Dumping Margin as %
China PR					
M/s Xuzhou Chemical	Jianping Co. Ltd.	China PR	PCL3	***	40 - 50%
			PCL5	***	90-100%

(Producer) through M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation ("Haohua") (Exporter)		POCL3	***	75-85%
M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd. (Producer) through M/s Sinochem International Corporation ("Sinochem") (Exporter).	China PR	PCL3	***	70-80%
		PCL5	***	115-125%
		POCL3	***	110-120%
M/s Luohu Huipu Chemistry Industry factory (Producer) through M/s Sinochem International Corporation (Exporter)	China PR	TMP	***	40-50%
M/s Sanchaitang Industry and technology Co.Ltd. (Producer) through M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation, (Exporter)	China PR	TMP	***	45-55%
All Other producers / exporters except specified in the above table	China PR	PCL3	***	70-80%
		PCL5	***	115-125%
		POCL3	***	110-120%
		TMP	***	45-55%
All Producers/Exporters	China PR	TPPI	***	20-30%
All Producers/Exporters	European Union	POCL3	***	Negative

F. INJURY

Submissions made by interested parties

11. M/s Roopa Industries Limited, Hyderabad has, *inter alia*, stated that:

- Since April 2008, month after month, the two indigenous sources from whom they had been sourcing their requirements had increased the price of Phosphorus Tri Chloride, attributing to steep escalation of import price of Phosphorus. The price of Phosphorus Tri Chloride, went upto Rs. 217/- per kg. adversely impacting the viability of their activity. Moreover, the suppliers were not committing their requirements / schedules.
- Further, the suppliers themselves were also captive consumers of Phosphorus Tri Chloride for their other compounds and obviously, they

would have considered value addition in the interest of their business activity. They have an edge over them, being captive consumers of their own Phosphorus Tri Chloride.

They were forced to reduce their production for few months substantially and even stop the activity for few months, during the period of the steep increase in the price of Phosphorus Tri Chloride, because it was not viable at that input cost and because they could not offer their finished product to their clients, in comparison with the import price. The viability to manufacture of Tri Phenyl Phosphine was affected.

Cumulative assessment in case of POCL3

12. Annexure II (iii) of the AD Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -

- (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three percent, the imports cumulatively account for more than seven percent of the imports of like article, and;
- (b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

12.1 The applicant has claimed that:

- i POCL3 does not have several different grades. The product manufactured by the producers from the subject countries *inter-se* and in comparison to the product manufactured by domestic industry has comparable properties. In other words, goods supplied by various subject countries and by the domestic industry are *inter-se* like articles.
- ii There are limited parties who use this material. Imported and domestic material is being used interchangeably by same segment of the customers.
- iii The exporters from the subject countries and the domestic industry have sold the same product in the same periods to the same segment of customers.
- iv Market share of imports from each of the subject countries is more than *de-minimis*.

- v Domestic producer and exporters from the subject countries sell the like product to the same category of customers and both are competing in the same market. Both are being used by the consumers interchangeably.

12.2 It is noted that none of the interested parties have dispute the above claims. The Authority further notes that:

- (a) The margins of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed;
- (b) The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed;
- (c) Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.

12.3 In view of the above, the Authority is of the view that cumulative assessment of the effects of imports is appropriate and has, therefore, assessed injury to the domestic industry in respect of POCL3 cumulatively from the subject countries.

12.4 Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. While examining the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

12.5 As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows.

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

12.6 The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and the arguments of the interested parties as under.

Import Volume

The applicant has provided the following imports data based on IBIS data.

S.N.	Product	POI (Oct07 to Dec08)
		Volume (MT)
1	PCL 3	57.00
2	PCL 5	1722.00
3	POCL 3 (China PR)	900.00
	POCL3 (EU)	394.5
4	TPPI	64.00
5	TMP	368.00

However, as per the responses received from the responding exporters, the actual exports of the subject goods by them to India are as follows. However, since no response has been received from any exporter/producer from the subject countries in case of TPPI; the data as received from the Applicant from IBIS is being relied upon for the purposes of these preliminary findings:

S.N.	Product	Volume of subject goods imported
		MT
1	PCL 3	93.00
2	PCL 5	1899.00
3	POCL 3	960.00
4	TPPI	64.00
5	TMP	352.00

Therefore, for analysis of volume of the imports of the subject goods, the data available on record has been collated and considered, which is as follows:

Imports MT	in	2005-06	2006-07	2007-08	POI (Oct'07 - Dec'08)	POI (annualized)
PCL3		0	0	0	93	74.4

PCL5	32	0.42	123	1899	1519.2
POCL3 (China PR)	0	0	0	960	768
POCL3 (EU)	0	0	0	395	316
TMP	32	32	0	368	294.4
TPPI	80	32	48	64	51.2

Thus, the information available on record regarding the import of the subject goods shows that:

In PCL5, and TMP, there have been significant imports during the period of investigation. It is seen that imports of PCL5 and TMP increased in absolute terms over the injury period. There have been imports of TPPI throughout the injury period and the same have decreased as compared to the base year but have increased as compared to the immediately preceding year. In case of PCL3 and POCL3, the imports commenced during the period of investigation itself.

It is observed that there were no imports of the PCL3, TPPI and TMP from any other country except China PR. Whereas POCL3 is also being imported from EU (Germany and Netherlands) above the *de-minimis* limits. It has been contended by the Applicant that imports of POCL3 and PCL5 from Hongkong are transshipments from China PR as there is no manufacturing facility in Hongkong for the subject goods. Imports of PCL5 from other sources are below the *de-minimis* level.

Demand and Market Share

PCL3

Demand	2005-06	2006-07	2007-08	POI (Oct'07 – Dec'08)	POI (annualised)
Total Chinese Imports in MT	0	0	0	93	74.40
Other Imports	0	0	0	0	0
Sales – domestic industry in MT (including captive)	18,506	17,879	18,866	23431	18,744.80
Sales – Other Producers in MT	1,829	2,101	2,471	2,579	2,063.20
Total Demand in MT	20,335	19,980	21,337	26,103	20,882.40
Market Share in Demand					

in %					
Domestic industry	91.01	89.48	88.42	89.76	89.76
Other Indian Producers	8.99	10.52	11.58	9.88	9.88
China PR	-	-	-	0.36	0.36
Other Countries	0	0	0	0	0

PCL5

Demand	2005-06	2006-07	2007-08	Oct'07 – Dec'08	POI (annualised)
Total Chinese Imports in MT	0	0	123	1899	1,519.20
Other Imports	32	0.42	0	144	115.20
Sales – domestic industry in MT (including captive)	1,100	928	834	720	576
Sales – Other Producers in MT	982	875	706	482	385.60
Total Demand in MT	2,180	1,803.42	1,663	3,245	2,596
Market Share in Demand in %					
Domestic industry	53.49	51.46	50.15	22.19	22.19
Other Indian Producers	45.05	48.52	42.45	14.85	14.85
China PR	0	0	7.40	58.52	58.52
Other Countries	1.46	0.02	0	4.44	4.44

POCL3

Demand	2005-06	2006-07	2007-08	Oct'07 – Dec'08	POI (annualised)
Total Chinese Imports in MT	0	0	0	960	768.00
Total EU Imports in MT	0	0	0	395	315.60
Other Imports	0	0	0	136	108.80

Sales – domestic industry in MT (including captive)	2,176	2,817	3,197	3,991	3,192.80
Sales – Other Producers in MT	2,160	1,324	1,106	486	388.80
Total Demand in MT	4,336	4,141	4,303	5,968	4,774
Market Share in Demand in %					
Domestic industry	50.18	68.03	74.30	66.88	66.88
Other Indian Producers	49.82	31.97	25.70	8.14	8.14
China PR	0	0	0	16.09	16.09
EU	0	0	0	6.61	6.61
Other Countries	0	0	0	2.28	2.28

TMP

Demand	2005-06	2006-07	2007-08	Oct'07 – Dec'08	POI (annualised)
Total Chinese Imports in MT	32	32	0	368	294.40
Other Imports	0	0	0	0	0
Sales – domestic industry in MT (including captive)	2,842	4,153	4,467	5,816	4,652.80
Sales – Other Producers in MT	739	910	993	0	0
Total Demand in MT	3,613	5,095	5,460	6,184	4,947.20
Market Share in Demand in %					
Domestic industry	78.66	81.51	81.81	94.05	94.05
Other Indian Producers	20.45	17.86	18.19	0	0
China PR	0.89	0.63	0	5.95	5.95
Other Countries	0	0	0	0	0

TPPI

Demand	2006-06	2006-07	2007-08	Oct'07 – Dec'08	POI (annualised)
Total Chinese Imports in MT	80	32	48	64	51.20
Other Imports	0	0	0	0	0
Sales – domestic industry in MT (including captive)	882	900	785	790	632
Sales – Other Producers in MT	578	858	899	764	611.20
Total Demand in MT	1,540	1,790	1,732	1,618	1,294.40
Market Share in Demand in %					
Domestic industry	57.27	50.28	45.32	48.83	48.83
Other Indian Producers	37.53	47.93	51.91	47.22	47.22
China PR	5.20	1.79	2.77	3.95	3.95
Other Countries	0	0	0	0	0

It is seen that in case of PCL3, the Chinese product gained a foothold in the Indian market. Whereas in case of PCL5, the Chinese product acquired a significant share as compared to the preceding year. In case of POCL3, the imports from the subject countries acquired a significant market share during the period of investigation. In case of TMP, the imports of the Chinese product showed a significant increase in market share. Whereas in case of TPPI, the market share decreased as compared to the base year and increased as compared to the immediately preceding year.

Demand

Demand or apparent consumption of the products under consideration in the Country has been assessed as the sum of domestic sales (including captive consumption) of the domestic producers and imports from all sources as available on record. It is noted that demand of PCL3, PCL5 and POCL3 has shown increase over the injury period, whereas demand for TPPI has declined. As regards TMP, while the demand has increased as compared to the base year but it has decreased as compared to the years other than the base year.

Price effect of imports

With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped

imports as compared with the price of the like articles in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

The Authority notes that there was significant increase in the input cost to manufacture the subject goods over the injury period, leading to increase in the prices within the Period of investigation.

Domestic Sales	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct'07 - Dec'08	Oct'07 - Dec'08 (annualised)
PCL3						
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	98	100	169	169
Domestic Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	91	92	197	197
PCL5						
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	90	117	162	162
Domestic Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	97	111	177	177
POCL3						
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	107	98	182	182
Domestic Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	89	90	221	221
TMP						
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	79	107	157	157
Domestic Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***	***

Trend	Index	100	96	99	130	130
TPPI						
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	102	116	122	122
Domestic Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	98	92	125	125

It is seen from the above table that on year to year basis, the domestic industry was able to increase the domestic selling prices more than the increase in the cost of sales in the case of PCL3, PCL5, POCL3 and TPPI. In the case of TMP, the cost of sales has increased by 57% in POI when compared to base year and domestic selling price has gone up by 30% during the same period.

The Authority has further compared landed price of imports with the selling price of the domestic industry on month-to-month basis because of wide fluctuations in the input prices during the period of investigation. The weighted average price undercutting has been accordingly determined after considering associated import volumes. It is seen that the landed price of imports of the subject goods are significantly below the selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting, except in case of POCL3 from EU as may be seen from the following table:

Country	Product	Based on data	Price undercutting (Rs/Kg)	Price undercutting as %
China PR	PCL3	Respondents	***	1-10%
China PR	PCL5	Respondents	***	40-50%
China PR	POCL3	Respondents	***	60-70%
China PR	TMP	IBIS	***	30-40%
China PR	TPPI	IBIS	***	5-15%
European Union	POCL3	IBIS	***	Negative

Sales volumes

The information provided by the domestic industry with regard to its domestic sales is shown as under:

Domestic Sales	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct'07 - Dec'08	Oct'07 - Dec'08 (annualised)
PCL3	MT	1,540	1,999	2,136	2,536	2029
Trend	Index	100	130	139	132	132
PCL5	MT	1,148	928	788	664	531
Trend	Index	100	81	69	46	46
POCL3	MT	1,577	2,413	2,631	3,622	2898
Trend	Index	100	153	167	184	184
TMP	MT	1,070	906	752	601	481
Trend	Index	100	85	70	45	45
TPPI	MT	695	604	741	623	498
Trend	Index	100	87	107	72	72

It is seen from the above that domestic sales of PCL3 have increased as compared to the base year but has decreased as compared to 2007-08 period. Whereas in case of POCL3, the domestic sales have increased over the injury period. However, the domestic sales of PCL5 and TMP have declined over the injury period. As regards TPPI, the domestic sales have declined except in the period 2007-08.

Capacity

As per information available on record, the capacities of the domestic industry for the products under consideration are as under:

Capacity	2005-06	2006-07	2007-08	POI (Oct07 to Dec08)	Oct07 to Dec08 (annualized)
PCL3	***	***	***	***	***
PCL5	***	***	***	***	***
POCL3	***	***	***	***	***
TMP	***	***	***	***	***
TPPI	***	***	***	***	***

The domestic industry has claimed that it has separate/dedicated capacity for each of the products under consideration. There have been no capacity additions over the injury period.

Production and Capacity Utilization

	2005-06	2006-07	2007-08	Oct07 to Dec08	Oct07 to Dec08 (annualized)
PCL3					
Capacity	***	***	***	***	***
Production	***	***	***	***	***
Capacity utilisation	76.34	75.71	74.32	71.68	71.68
PCL5					
Capacity	***	***	***	***	***
Production	***	***	***	***	***
Capacity utilisation	73.72	64.17	46.56	36.76	36.76
POCL3					
Capacity	***	***	***	***	***
Production	***	***	***	***	***
Capacity utilisation	77.01	71.25	95.14	79.62	79.62
TMP					
Capacity	***	***	***	***	***
Production	***	***	***	***	***
Capacity utilisation	90.67	86.00	76.81	80.41	80.41
TPPI					
Capacity	***	***	***	***	***
Production	***	***	***	***	***
Capacity utilisation	47.97	55.06	42.11	31.11	31.11

It is seen that—

- (a) Production and capacity utilization of PCL3 and PCL5 have declined over the injury period.
- (b) Production and capacity utilization of POCL3 has fluctuated over the injury period, increasing during 2007-08, but declining thereafter during the POI.
- (c) Production and capacity utilization of TMP declined up to 2007-08 and then increased in the period of investigation. The production and capacity utilization has significantly declined as compared to the base year.
- (d) Production and capacity utilization of TPPI improved in 2006-07, but has consistently declined thereafter.

Market Share

The market share of domestic industry declined significantly in respect of PCL5. In case of TPPI, the market share has declined till 2007-08 but has increased thereafter during the POI. In case of TMP, the market share has increased over the injury period. The market share of PCL3 has declined as compared to the base year but has marginally improved as compared to the immediately preceding year. As regards POCL3, the market share increased till 2007-08 but has declined during the period of investigation thereafter.

Factor affecting prices

It is observed that the landed price of imports each of the subject goods are significantly below the selling price of these products by the domestic industry except in the case of imports of POCL3 from European Union as may be seen from the following table:

Country	Product	Based on data	Price undercutting (Rs/Kg)	Price undercutting as %
China PR	PCL3	Respondent	***	1-10%
China PR	PCL5	Respondent	***	40-50%
China PR	POCL3	Respondent	***	60-70%
China PR	TMP	IBIS	***	30-40%
China PR	TPPI	IBIS	***	5-15%
European Union	POCL3	IBIS	***	Negative

Profit/Loss, Cash Flow and Return on Investment.

	2005-06	2006-07	2007-08	Oct07 to Dec08	Oct07 to Dec08 (annualized)
PCL3					
Profit before tax (Rs./KG)	***	***	***	***	***
Profit before tax (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	100	66	67	299	299
Cash Profits (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	100	66	69	297	297
Return on investment (%)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	100	63	35	90	90

	2005-06	2006-07	2007-08	Oct07 to Dec08	Oct07 to Dec08 (annualized)
PCL5					
Profit before tax (Rs./KG)	***	***	***	***	***
Profit before tax (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	-100	-35	-110	-32	-32
Cash Profits (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	-100	-18	-91	8	8
Return on investment (%)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	-100	2	-65	31	31

	2005-06	2006-07	2007-08	Oct07 to Dec08	Oct07 to Dec08 (annualized)
POCL3					
Profit before tax (Rs./KG)	***	***	***	***	***
Profit before tax (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	-100	-192	-169	-124	-124
Cash Profits (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	-100	-192	-169	-123	-123
Return on investment (%)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	-100	-170	-57	-15	-15

	2005-06	2006-07	2007-08	Oct07 to Dec08	Oct07 to Dec08 (annualized)
TMP					
Profit before tax (Rs./KG)	***	***	***	***	***
Profit before tax (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	100	224	110	57	57
Cash Profits (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	100	221	113	56	56
Return on investment (%)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	100	182	54	25	25

	2005-06	2006-07	2007-08	Oct07 to Dec08	Oct07 to Dec08 (annualized)
TPPI					
Profit before tax (Rs./KG)	***	***	***	***	***
Profit before tax (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	100	-353	-2,840	339	339
Cash Profits (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	100	-41	-762	175	175
Return on investment (%)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	100	44	-122	89	89

It is seen from the above tables that –

- (a) Profits on domestic sales and cash profits improved in case of PCL3. The return on capital employed remained significantly high over the injury period;
- (b) In case of PCL5, the domestic industry has been suffering financial losses throughout the injury period. The return on capital employed and cash profits were also negative/low till 2007-08 and became positive during the period of investigation.
- (c) In case of POCL3, the domestic industry has been suffering financial losses, which increased in 2006-07 but reduced thereafter. Consequently, return on capital employed and cash profits were also negative earlier but improved after 2006-07. However, profits on domestic sales, cash profits and Return on capital employed remained negative in respect of POCL3 over the injury period;
- (d) In case of TMP, the domestic industry was profitable over the injury period. However, the profits that increased in 2006-07 but deteriorated thereafter. During the POI, the profits were below the base year level. Return on capital employed and cash profits have followed the same trend as that of profits.
- (e) In case of TPPI, the domestic industry has been suffering financial losses till 2007-08 but it became profitable in, the Period of investigation. The return on capital employed and cash profits also followed the same trend.

Inventories

Average Inventories	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct07 to Dec08	Oct07 to Dec08 (annualized)
PCL3	MT	***	***	***	***	***
	No. of days inventory	***	***	***	***	***
PCL5	MT	***	***	***	***	***
	No. of days inventory	***	***	***	***	***
POCL3	MT	***	***	***	***	***
	No. of days inventory	***	***	***	***	***
TMP	MT	***	***	***	***	***
	No. of days inventory	***	***	***	***	***
TPPI	MT	***	***	***	***	***
	No. of days inventory	***	***	***	***	***

The information about the inventory levels of different compounds is contained in the above table. It is seen that the inventory levels for the subject goods except PCL5 have declined as compared to the base year.

Employment, wages and productivity

Since the domestic industry is a multi-product multi-location company; employment & wages and consequently productivity apparently does not reflect the adverse impact of dumping.

Ability to raise capital investment

Since the domestic industry is a multi-product multi-location company; ability to raise capital investment apparently does not reflect the adverse impact of dumping.

Growth

The production and domestic sales volumes of PCL5 decreased over the injury period. The production and domestic sales volumes of TMP decreased as compared

to the base year. The production and domestic sales volumes of TPPI have shown an adverse growth over the injury period, except that the production of TPPI has increased during 2006-07. In case of POCL3, the production and domestic sales volumes have increased as compared to the base year. However, profitability except in the case of TMP improved over the injury period.

Magnitude of Dumping Margin:

It is observed that dumping margins in respect of the subject goods are significantly positive except in the case of POCL3 imported from European Union.

Conclusion on material injury

PCL3

It is seen that performance of the domestic industry has deteriorated during the period of investigation in terms of production and capacity utilization. However, the domestic sales of PCL3 in absolute terms have shown an improvement. Apparently, the market share has marginally declined, primarily due to increase in the market share of other producers. The Chinese imports gained a minuscule market share of 0.36% during the period of investigation.

It is seen that the domestic industry was able to increase the domestic selling prices more than the increase in the cost of sales; thereby no price depression is seen. Though the imports of the PCL3 are undercutting the prices of the domestic industry, but its impact on the domestic industry is not visible.

The profitability of domestic industry has improved and the return on capital employed remained significantly high over the injury period. The domestic industry is able to realise the selling price, which is higher than the non-injurious price determined for the POI. Thus, it cannot be stated that the domestic industry is being injured on account of imports of PCL3.

PCL5

It is seen that performance of the domestic industry has deteriorated during the period of investigation in terms of domestic sales, production and capacity utilization. The imports of PCL5 started from China PR in 2007-08 with a market share of 7.40% that increased significantly to 58.52% in the period of investigation. While the market share of the China PR increased and that of domestic industry decreased significantly from 53.49% in 2005-06 to 50.15% in 2007-08 and 22.19% in the period of investigation. Hence, the volume effect had been adverse in the case of PCL5.

As regards price effect, it is seen that the domestic industry was able to increase the domestic selling prices more than the increase in the cost of sales, thus no price depression is seen. But the imports of the PCL5 are significantly undercutting the prices of the domestic industry. While the profitability in respect of PCL5 improved over the injury period but the selling price of domestic industry remained lower than the non-injurious price.

It is seen that the domestic industry had been suffering losses throughout the injury period. However, in view of the low volume of imports in the injury period before the POI, it cannot be stated that these losses before the POI were only on account of imports. But it is also seen that there are significant imports during the POI at dumped prices leading to significant loss of the market share vis a vis the imports.

POCL3

The imports of POCL3 from the subject countries commenced in the period of investigation and acquired a significant market share during the period of investigation. The market share of domestic industry declined during POI as compared to immediate preceding year; however, it remained higher than that of the base year. The production and capacity utilization during the period of investigation declined as against the previous year but increased when compared with 2005-06 and 2006-07. Hence no adverse volume effect is seen over the injury period.

As regards price effect, it is seen that though the domestic industry was able to increase the domestic selling prices more than the increase in the cost of sales, thus no price depression is seen. The landed price of imports is also significantly below the selling prices of the domestic industry. However, the volume of imports commenced in the period of investigation only and it is seen that the domestic industry was suffering financial losses since 2005-06, which increased in 2006-07, even when there were no imports before the POI. Apparently, the adverse performance of the domestic industry existed even without imports. It has not been demonstrated that this adverse performance could be attributed to imports of the subject goods. Besides, a negative dumping margin is seen as regards imports of the subject goods from European Union.

TMP

In case of TMP, the imports of the Chinese product showed a significant increase in market share during the POI. However, at the same time, the market share of the domestic industry has also gone up. Production has increased as compared to immediate preceding year; however, it declined when compared to 2005-06 & 2006-07. The domestic sales have gone up during the injury period. Hence, no adverse volume effect has been seen in respect of TMP.

The domestic industry was making profits throughout the injury period but the same has significantly declined during the POI as compared to the base year. The performance of the domestic industry has also deteriorated during the period of investigation in terms of return on investment and cash profit. It is also seen that the selling price have not increased in line with increase in the cost of sales, thereby causing significant price suppression. Besides, the imports of TMP are significantly undercutting the prices of the domestic industry.

However, a negative injury margin is seen as regards imports of TMP from China PR. Thus, apparently the causal link is missing.

TPPI

It is seen that performance of the domestic industry has deteriorated during the period of investigation in terms of sales, production, capacity utilization, market share. The decline in the volume parameters is mainly due to decline in the demand for TPPI and increase in market share of other domestic producers. The imports from China PR have also declined both in absolute terms and in relation to the total Indian demand. Apparently, no adverse volume effect is seen on account of the imports.

As regards price effect, the profitability in respect of TPPI improved over the injury period. Besides, the domestic industry was able to increase the domestic selling prices more than the increase in the cost of sales, thus no price depression is seen.

It is seen that there is contraction in demand but the market share of the domestic producers have increased, whereas the market share of the imports from the subject country has declined.

Conclusion

As per the material available on record, the Authority at this stage is of the view that various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury in case of imports of PCL5.

G. CAUSAL LINK

13 It was examined whether other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry in case of PCL5, where only it is observed that material injury has been caused to the domestic industry. It was found as follows:

- a) Imports from Third Countries: - In case of imports reported from Hong Kong, the applicant has claimed that these are transshipments of Chinese material only. And that there is no production facility for these products in Hong Kong. While the subject goods are being imported from other countries, but these imports are below the de-minimis level.
- b) Contraction in Demand: - It is noted that the demand of PCL5 has increased as compared to the base year.
- c) Pattern of consumption: - No significant change in the pattern of consumption has been observed.
- d) Conditions of competition: - The applicant has claimed that conditions of competition or trade restrictive practices are not responsible for the claimed injury to the domestic industry. None of the interested parties has disputed this claim.
- e) Developments in technology: - The applicant has claimed that there is no significant change in technology, which could have caused injury to the domestic industry. None of the interested parties has disputed this claim.

- f) Export performance of the domestic industry: - The applicant has significant export activities. However, the entire information has been provided in respect of domestic operations.
- g) Productivity: - The applicant has claimed that changes in productivity are a result of dumping of the product under consideration.

As per the material available on record, the Authority at this stage is of the view that various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury on account of dumped imports of the subject goods from China PR in case of PCL5.

H. Indian industry's interest & other issues

15 The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

15.1 It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

J. Recommendations

16 The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having provisionally established positive dumping margins as well as material injury and threat thereof to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of PCL5 from China PR in the form and manner described hereunder.

16.1 Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty as per amount specified in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of

the notification to be issued by the Central Government, on all imports of PCL5 originating in or exported from China PR.

Sl. No	Heading / Subheading	Description of goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28121022	Phosphorus Pentachloride (PCL5)	China PR	China PR	M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd.	M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation	0.326	Per KG	US\$
2.	-do-	-do-	China PR	China PR	M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd.	M/s Sinochem International Corporation	0.436	Per KG	US\$
3.	-do-	-do-	China PR	China PR	Any combination of producer & exporter except at Sr. No. 1 & 2		0.638	Per KG	US\$
4.	-do-	-do-	China PR	Any	Any	Any	0.638	Per KG	US\$
5.	-do-	-do-	Any	China PR	Any	Any	0.638	Per KG	US\$

K. Further Procedure

17 The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

(a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;

(b) Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the these Preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;

(c) The Authority would hold a hearing to hear the views of various interested parties orally;

(d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;

(e) The Authority would disclose essential facts as per the AD Rules before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority